दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 06:11 ए एम
सूर्यास्तः 06:39 पी एम
तिथिः द्वादशी - पूर्ण रात्रि तक
नक्षत्रः मघा - पूर्ण रात्रि तक
लाभ मुहूर्त- सुबह 09:30 से सुबह 11:00 तक
योगः शूल - 03:21 ए एम, अप्रैल 03 तक
करणः बव - 05:24 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः गुरूवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 97 • पृष्ठ 8 • दुमका, गुरूवार 06 अप्रैल 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

हनुमान जयंती पर गृह मंत्रालय का बड़ा कदम

कानून व्यवस्था को लेकर दिए सख्त निर्देश

नयी दिल्ली/एजेंसी।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हनुमान जन्मोत्सव को लेकर राज्यों को एडवाइजरी जारी की हैं। मंत्रालय ने सभी राज्यों से कहा है कि वह कानून व्यवस्था को बनाए रखें और त्योहार का शांतिपूर्ण ढंग से होना सुनिश्चित करें। गृह मंत्रालय ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे ऐसी घटनाओं की निगरानी रखें, जिनसे समाजिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा पैदा हो। इस साल हनुमान जन्मोत्सव छह अप्रैल को मनाया जाएगा। गृह मंत्रालय की यह एडवाइजरी राम नवमी के त्योहार पर कुछ राज्यों में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद आई है।

गृह मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया कि राज्य या केंद्रशासित प्रदेश की सरकारों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, त्योहार के दौरान शांति कायम रखने और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की आशंका

वाले हर प्रकार के कारणों या लोगों पर नजर रखने की जरूरत है।

दरअसल, रामनवमी की शोभायात्राओं को लेकर पिछले कुछ दिन में पश्चिम बंगाल के हुगली और हावड़ा जिलों में झड़प, आगजनी एवं बमबारी की घटनाएं हुई हैं। इन घटनाओं के दौरान हावड़ा में कई वाहनों को आग लगा दी गई थी और कई दुकानों में तोड़फोड़ की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में रामनवमी के दौरान हुई हिंसा पर मंगलवार को राज्य सरकार से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी।

रामनवमी हिंसा के बाद कलकत्ता हाईकोर्ट का ममता सरकार को निर्देश

हनुमान जयंती के लिए तैनात करें केंद्रीय बल

कोलकाता/एजेंसी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने हनुमान जयंती समारोह के दौरान शांति बनाए रखने में राज्य पुलिस की मदद के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की अपील करने का निर्देश दिया. हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने कहा कि इलाज से परहेज बेहतर है. कोर्ट ने इसके साथ ही निर्देश दिया कि 'किसी राजनीतिक दल के कोई नेता वक्तव्य नहीं देंगे और जिन जगहों पर धारा 144 लगी है, वहां हनुमान जयंती का जुलूस नहीं निकाला जाए.' कलकत्ता हाईकोर्ट का यह निर्देश रामनवमी के जुलूस के दौरान पश्चिम बंगाल के हावड़ा और हुगली जिलों में हुई हिंसा की पृष्ठभूमि में आया है. इससे पहले पश्चिम बंगाल सरकार ने हाईकोर्ट के समक्ष शिबपुर और रिषड़ा

में हुई हालिया हिंसा पर अपने रिपोर्ट पेश की. इस पर अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि आने वाली हनुमान जयंती के मद्देनजर राज्य में शांति-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वह क्या कदम उठा रही है. कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि वह राज्य में विश्वास बहाली के लिए अर्धसैनिक बलों की तैनाती का अनुरोध कर सकती है.

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत, 17 तक जेल में ही रहेंगे

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में यहां की एक विशेष अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत

की अवधि बुधवार को 17 अप्रैल तक के लिए बढ़ा दी. विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने अदालत में सिसोदिया को पेश किये जाने के बाद उनकी हिरासत की अवधि 13 दिनों के लिए बढ़ा दी. राउज़ एवेन्यु कोर्ट में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई अब 12 अप्रैल को होगी. सिसोदिया को इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया है. आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के एक मामले में बुधवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकीलों ने अदालत को एक नोट सौंपा और कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है।

संक्षिप्त समाचार

राजनेता कानून से ऊपर नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली 14 दलों की याचिका पर बुधवार को विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि किसी

खास मामले के तथ्यों के बिना आम दिशा–निर्देश तय करना संभव नहीं है. बाद में शीर्ष न्यायालय ने अभिषेक मनु सिंघवी को विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग पर 14 राजनीतिक दलों की याचिका को वापस लेने की अनुमति दी. वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने 24 मार्च को मामले की तत्काल सुनवाई के लिए याचिका का उल्लेख किया था. वरिष्ठ अधिवक्ता ने 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के सत्ता में आने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर मामलों की संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया था. प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन–सदस्यीय पीठ ने मामले की सुनवाई की. न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला भी पीठ का हिस्सा थे.

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
59,106.44+114.92 (0.19%)

निफ्टी
17,398.05+38.30 (0.22%)

ट्रेन में केमिकल छिड़कर आग लगाने का आरोपी गिरफ्तार

रत्नागिरी/एजेंसी।

महाराष्ट्र की रत्नागिरी पुलिस और एटीएस के संयुक्त ऑपरेशन में एक शाहरुख नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है. संदिग्ध पर केरला में एक रेल गाड़ी में केमिकल छिड़क कर आग लगाने का आरोप है, जिसमे तीन की मौत हो गई थी. कई लोग इस घटना में घायल भी हुए थे. ये घटना 2 अप्रैल की है. आरोपी को रत्नागिरी स्टेशन पर पकड़ा गया है. हालांकि, एटीएस के मुताबिक, अभी वो शख्स संदिग्ध है. जल्द उसे केरल पुलिस को सौंप दिया जाएगा.

संदिग्ध आरोपी शाहरुख को केरल के उत्तर में लगभग 1,000 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में पकड़ा गया, जब केरल पुलिस ने एक गवाह के बयान के आधार पर उसका एक स्केच जारी किया. महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ₹केरल पुलिस की एक टीम भी रत्नागिरी पहुंच गई है और आरोपी को जल्द ही उन्हें सौंप दिया जाएगा. ट्रेन में हमले के पीछे की मंशा अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध ने कोझिकोड जिले के एलाथुर के पास

अलप्पुझा-कन्नूर एक्सप्रेस ट्रेन में एक यात्री को आग लगाने की बात कबूल है. संदिग्ध ने रविवार रात करीब साढ़े नौ बजे ट्रेन के डी1 डिब्बे में एक यात्री पर केमिकल छिड़क कर आग लगा दी, जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई और भगदड़ मच गई. आग तेजी से अन्य सीटों और सामान में फैल गई, जिससे कोच आग की लपटों में घिर गया. ट्रेन में लगी आग की चपेट में आने से तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य झुलस गए. उनमें से पांच कोझीकोड मेडिकल कॉलेज और तीन को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया.

कोरोना केस : 24 घंटे में चार हजार से ज्यादा संक्रमित मिले

नयी दिल्ली/एजेंसी। देश में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगे हैं। संक्रमण के चलते जान गंवाने वालों की संख्या भी बढ़ गई है। हर रोज मिलने वाले नए मरीजों के मामले में भारत पहले से ही दुनिया के टॉप–10 देशों की सूची में शामिल हो गया था। अब मौतों के मामलों में भी भारत टॉप–10 देशों में शामिल हो गया है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे के अंदर देश में रिकॉर्ड 4,435 लोग संक्रमित पाए गए। ये पिछले 163 दिन के आंकड़ों में सबसे अधिक है। इसी के साथ देश में एक्टिव केस की संख्या 23 हजार 91 पहुंच गई है। एक्टिव केस का मतलब ऐसे मरीज, जिनका अभी इलाज चल रहा है। कोरोना से होने वाली मौतें भी बढ़ गईं हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर 15 लोगों ने जान गंवा दी। इनमें चार–चार केरल और महाराष्ट्र में मौतें हुईं। छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, पुडुचेरी और राजस्थान में एक–एक कोरोना संक्रमित ने जान गंवा दी।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

सामाजिक समरसता एवं न्याय सप्ताह मनाएगी भाजपा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भाजपा कार्यालय दुमका में जिला अध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में 5 अप्रैल से 16 अप्रैल तक मंडल से बुथस्तर तक कार्यक्रम पर जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष एवं सातो मोर्चा अध्यक्ष के साथ बैठक आहूत हुई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन ने बताया कि पार्टी 6 अप्रैल को सभी बूथों पर स्थापना दिवस मनायेगी।7 अप्रैल को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा द्वारा मंडल स्तर पर मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।7 अप्रैल को ही अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा जिला स्तर पर फल वितरण किया जाएगा।13 अप्रैल को अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा जिला स्तर पर सभी महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई की जायेगी।14 अप्रैल को बूथ स्तर पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी ओर उनकी प्रतिमा पर माल्यर्पण किया जाएगा। 15 अप्रैल को ओबीसी मोर्चा द्वारा मंडल स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा पिछड़े एवं गरीब वर्ग के लिए किए गए कार्यों की चर्चा की जाएगी एवं 16 अप्रैल को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा जिला स्तर पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया जाएगा।बैठक को प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा पूर्व मंत्री लुईस मरांडी, निवर्तमान जिला अध्यक्ष निवास मंडल ने भी संबोधित किया।मौके पर जिला महामंत्री विवेकानंद राय, जिला उपाध्यक्ष मनोज पांडे, रामनारायण भगत, गौरव कांत, बबलू मंडल, जिला मंत्री कामेश्वर गुप्ता, माइनों मुर्मू, युवा मोर्चा अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष विमल मरांडी, पिछड़ी जाति मोर्चा अध्यक्ष पिंटू साह, किसान मोर्चा अध्यक्ष जयप्रकाश मंडल, मंडल अध्यक्ष भिरगुनाथ यादव, लालचंद पाल, नवल किशोर मांझी, शुभाशीष चटर्जी,सहदेव मरांडी, नरेश मंडल , स्वरूप सिन्हा, मुरली मंडल, सुधीर पाल, पंकज वर्मा , अरविंद दुबे रामनिवास मांझी हराधन मरीक दिलीप सेन रघुनाथ रजक ,अभिनाश सोरेन ,जयकांत ,दुर्योधन आदि मौजूद थे।

मंच का संचालन जिला महामंत्री विवेकानंद राय कर रहे थे,उपरोक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने दी।

पूर्व इंडियन ओलंपिक के कोषाध्यक्ष के द्वारा दुमका के फरीद खान को किया गया सम्मानित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। 45 वा जूनियर बालक नेशनल हैंडबॉल चैंपियनशिप बांसवाड़ा राजस्थान जिसमें झारखंड तृतीय स्थान पर रहा जिसमें दुमका के दो लड़के आसिफ अहमद शाहिद अफरीदी ब्रोंज मेडल प्राप्त किया बांसवाड़ा राजस्थान टेक्निकल ऑफिशियल रेफरी के रूप में दुमका के फरीद खान को पूर्व ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे के द्वारा सम्मानित किया गया।दुमका हैंडबॉल संघ के संरक्षक डॉक्टर तुषार ज्योति द्वारा फरीद खान को बधाई दीया गया डॉ तुषार ज्योति ने कहा कि दुमका के लिए गर्व की बात है खेल जगत में दुमका के लड़के नेशनल मैं ब्रोंज मेडल लाए और दुमका के ऑफिशियल टेक्निकल के रूप में भी नेशनल चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं

दुमका के डीआईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल ने फरीद खान को बधाई देते हुए कहा कि लगातार मेहनत और प्रयास के बदौलत फरीद खान कौ नेशनल चैंपियनशिप मैं टेक्निकल ऑफिशियल एवं रेफरी की भूमिका के लिए चयन किया गया था जिसमें वह दुमका का नाम रोशन कर दुमका वासियों को गौरवान्वित किया है

दुमका हैंडबॉल संघ के पूर्व खिलाड़ी एवं कोच अमित आनंद ने प्रस्थान को ढेर सारी बधाई दिया।

दुमका जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष प्रदीप तो मुखर्जी ने फरीद खान को बधाई देते हुए कहा कि दुमका के लिए यह सम्मान की बात है यहां के बच्चे नेशनल गेम मैं मेडल लॉकर एवं रेफरी टेक्निकल ऑफिशियल के रूप में योगदान देकर दुमका को गौरवान्वित कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सर्वसम्मति से अनिता हेम्ब्रम चुनी गई राजद महिला मोर्चा की प्रखंड अध्यक्ष

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राष्ट्रीय जनता दल के तालडांगाल पंचायत समिति की बैठक आयोजित की गई ।बैठक में सर्वसम्मति से अनिता हेम्ब्रम को महिला मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष चुना गया।मौके पर राष्ट्रीय जनता दल के प्रखंड अध्यक्ष जयदेव गोराई, प्रखंड सचिव राजेश हांसदा,पंचायत अध्यक्ष बबलू मरांडी,महाराम हेम्ब्रम,एलेक्सी मुर्मू,बिपिन सोरेन,शयाम सुंदर गोराई, प्रदीप गोराई,मनोहर पाल,बिजय राय,नीता कुमारी,अन्ति मुर्मू ,पूनम मुर्मू एवं शिवानी मरांडी मौजूद थे ।

कार्यपालक अभियंता ने दिया सभी समस्याओं के निदान का आश्वासन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर प्रखंड क्षेत्र में व्याप्त विधुत संबंधित समस्याओं को लेकर आज बुधवार को जिप सदस्य बिमान सिंह ने विद्युत वितरण निगम लिमिटेड दुमका के कार्यपालक अभियंता अमिताभ बच्चन सोरेन से मुलाकात की।बिमान सिंह ने बताया कि बिजली बिल भुगतान में आ रही समस्या,जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने समेत अन्य समस्याओं से कार्यपालक अभियंता को अवगत कराया गया।कार्यपालक अभियंता ने कहा कि 14 अप्रेल को वे खुद प्रखंड क्षेत्र का दौरा करेंगे। बताया कि आम जनता को गर्मी से राहत एवं पुराने बिल का किस्त में भुगतान करने का आदेश जैसे बिंदुओ पर विस्तृत चर्चा हुई एवं रानीश्वर क्षेत्र के 3 गांवों में अभी बिजली ट्रांसफार्मर जला हुआ है इसकी जानकारी दी। बताया कि रांगामेटिया , पाकुड़तला मोड़ एवं पलाशडांगाल इन तीन गांवों के ट्रांसफार्मर जल गये है।मामले में श्री सोरेन ने कहा कि शनिवार तक तीनो ट्रांसफॉर्मर लग जाएगा। सोरेन ने 14 अप्रैल को रानीश्वर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्र का दौरा करने की जानकारी दी ज्ञात हो कि ग्रामीणों द्वारा आवेदन देकर जिला परिषद सदस्य को जानकारी दी गई थी कि जयपाहाड़ी एवं निमबुनी में तकरीबन 4 महीने से बिजली आपूर्ति ठप्प है एवं डीमजुड़ी,मालपाड़ा में 3 साल से बिजली आपूर्ति ठप्प है।उक्त समस्याओं से कार्यपालक अभियंता को अवगत कराने पर उन्होंने कहा कि हम दौरा करेंगे एवं जायजा लेते हुए तुरंत विधुत आपूर्ति बहाल करने का प्रयास करेंगे।

निक्षय मित्रों ने किया 36 टीबी मरीजों के बीच सूखा राशन का वितरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बुधवार को जामा प्रखण्ड मुख्यालय स्थित सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के नेतृत्व में निक्षय मित्रों की ओर से गोद लिए गए टीबी मरीजों के बीच पौष्टिक आहार के रूप में सूखा राशन के पैकेट का वितरण किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कुल 36 टीबी रोगियों के बीच पौष्टिक आहार सुख राशन का वितरण किया गया।

दिव्यांगजनो को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है: बलदेव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बिरसा दिव्यांग समिति एवं दिव्यांग विधवा व वृद्धा जन कल्याण मोर्चा की संयुक्त बैठक का आयोजन केन्द्रीय अध्यक्ष बलदेव राय की अध्यक्षता में किया गया. बैठक में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई.बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 13 अप्रैल को जिला स्तरीय दिव्यांगजनों का एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन एग्रो पार्क आत्मा कृषि ट्रेनिंग सेंटर दुमका में किया जाएगा. इस शिविर में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 कानून के बारे में जानकारी दी जाएगी .केंद्रीय अध्यक्ष बलदेव राज ने कहा कि दिव्यांगजनो को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी बेरोजगारी का सामना करना पड़ रहा है. रोजगार के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है. सरकार भी दिव्यांगों के लिए कोई कानून सख्ती से लागू नहीं कर रही है कि दिव्यांग छात्र एवं छात्राओं को हर क्षेत्र में काम मिल सके .यदि सरकार का ऐसा रवैया रहा तो दिव्यांग मोर्चा सरकार के विरुद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य हो जाएंगे.समिति के कोषाध्यक्ष प्रियतम सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के द्वारा शिक्षित एवं बेरोजगार दिव्यांगजनों के लिए बैकलॉग बहाली निकालकर अति शीघ्र नियुक्ति की जाए .आगामी बहाली प्रक्रिया में दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 कानून के नियमों का पालन करते हुए बहाली प्रक्रिया शुरू की जाएं .बैठक में प्रियतम कुमार सिंह,सुकुमार दास,डमरूधर सिंह,संतोष प्रसाद साह,विनोद प्रसाद ठाकुर,भोला शर्मा,काशीनाथ राय, उपेंद्र राय, प्रफुल दास,वकील दास, मुन्ना पंडित,सुनील मांझी,अजीत कुमार राय,निरंजन मंडल,रामचंद्र राय आदि दिव्यांगजन उपस्थित थे ।

विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी शिद्धार्थ शंकर यादव के अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना,15वें वित्त, जल जीवन मिशन सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को कार्य में प्रगति लाने और आधे अधूरे कार्य को अविलंब पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने पीएम आवास योजना में जिन लाभुकों को दोहरे किस्त का भुगतान हो गया है उन्हें अविलंब कार्य पूरा करने का निर्देश दियो कहा कि जिस पंचायत में लक्ष्य के अनुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना एवं संचालित अन्य योजना में लंबित कार्य पूर्ण नहीं किया जाएगा तो संबंधित के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मौके पर सहायक अभियंता गुंजन राज,बीपीओ आशा रोज हांसदा, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर रमेश उरांव, प्रखंड समन्वय विकास मिश्रा, कनीय अभियंता विष्णु राज, विशाल गौरव, रंजन हेम्ब्रम,मानव कुमार,अशोक गुप्ता सहित सभी पंचायत सचिव,मनरेगा रोजगार सेवक आदि अन्य कर्मी उपस्थित थे।

खराब पड़े चापानल एवं जलमीनार की मरम्मति कर पेयजल आपूर्ति को अविलंब चालू करने का निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आसन्न ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए उप विकास द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ बैठक की गयी।वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक के माध्यम से सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि 15वीं वित्त आयोग के आबद्ध राशि का उपयोग करते हुए गांव में खराब पड़े चापानल/जलमीनार की मरम्मति करते हुए पेयजल आपूर्ति को अविलंब सुचारू किया जाय।उन्होंने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल द्वारा उक्त कार्य मे सभी प्रकार का तकनीकी सहयोग प्रदान करने का कार्य करेंगे।साथ ही पेयजल की समस्या के समाधान हेतु कंट्रोल रूम का नंबर ग्रामीणों के बीच प्रसारित किया जाय ताकि उक्त नंबर से संपर्क कर ग्रामीण पेयजल से संबंधित अपनी समस्याओं की जानकारी दे सकें तथा उनकी समस्याओं को निष्पादन जल्द से जल्द किया जा सके।

ग्राम प्रधानों ने किया पूर्व सांसद का पुतला दहन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ग्राम प्रधान मांझी संगठन के दुमका प्रखंड अध्यक्ष छविनाथ मंडल की अध्यक्षता में पुतला दहन का कार्यक्रम दुमका ब्लॉक में रखा गया। जिसमें अंचल के सैकड़ों ग्राम प्रधान उपस्थित होकर संथाल परगना ग्राम प्रधान स्वशासन व्यवस्था के विरुद्ध अनर्गल बयानबाजी पूर्व सांसद सह सेंगल अभियान के केंद्रीय अध्यक्ष सालखान मुर्मू के नेतृत्व में किया गया। द्वारा ।कार्यक्रम में उपस्थित सभी ग्राम प्रधानों ने अंचल कार्यालय से पुरजोर विरोध रैली एवं नारा के साथ सभा कक्ष से बाहर निकलकर अंचल कार्यालय के मुख्य सड़क द्वार पर पूर्व सांसद सालखान का पुतला दहन किया गया। इस कार्यक्रम में अंचल के सैकड़ों ग्राम प्रधान एवं उनके सहयोगी जिसमें अर्जुन मरांडी, शक्तिपद दत्ता , धनीराम हसदा, राजा मरांडी, स्वीटी मुर्मू, सुकुर मुर्मू, सिमासंगीता मुर्मू, गामा नील किस्कू,मदन दलय,पुल हैम्ब्रम सहित सैंकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा महिला मोर्चा की बैठक में महिला मोर्चा मंडल कमिटी का विस्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)। भाजपा महिला मोर्चा की एक बैठक बुधवार को महिला मोर्चा प्रखंड कमिटी प्रभारी अनिता मुर्मू की अध्यक्षता में अनिता लाइन होटल में आयोजित किया गया. बैठक में भाजपा नेता सत्य शिक्षानंद मुर्मू मुख्य रूप से उपस्थित थे. बैठक में महिला मोर्चा मंडल कमिटी का विस्तार किया गया. जिसमें महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सुनीता हांसदा, महामंत्री सुमित्रा मरांडी, उपाध्यक्ष अंजेला टेरेसा मरांडी, प्रियादीप माला, रोशा हांसदा, परमिला मुर्मू, मंत्री फुलमुनी हेमब्रम, मंत्री बेबी मालतो,सुनिबिटी मुर्मू,कोषाध्यक्ष सोना मुर्मू,मीडिया प्रभारी मरियम मुर्मू, मीडिया सह प्रभारी सुशीला बास्की, सोशल मीडिया संयोजक सुनीता मरांडी, सोशल मीडिया सह संयोजक चांदी पहाड़ीन को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया. सभी नवनियुक्त अधिकारियों को भाजपा नेता ने माला पहनाकर स्वागत किया. साथ ही सभी को अपने अपने क्षेत्र में महिला संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया. बैठक में भाजपा नेता ने कहा हेमंत सरकार के लूट खसोट, पत्थर लूट, कोयला लूट, मनमानी तरीका से शासन चला रही है. राज्य एवं क्षेत्र की जनता हेमंत सरकार की जनविरोधी नीति से परेशान है. बैठक में हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकने का निर्णय लिया गया. मौके पर मंडल अध्यक्ष शिव प्रसाद पहाड़िया, महामंत्री जोसेफ मरांडी, बिचामहल मंडल महामंत्री गणेश मंडल, बिचामंडल उपाध्याश शचामलाल मुर्मू सहित दर्जनों उपस्थित थे।

अखंड 24 प्रहर व लीला संकीर्तन में भक्ति रस में डुबे भक्त

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के बासमती स्थित राधा गोविंद मंदिर परिसर में अखंड 24 प्रहर व लीला संकीर्तन में भक्ति रस में डुबे भक्त। बुधवार को जिले के दुर्गापुर शहरी के हीरालाल साह ने अपने हिंदी भजन गायन व उनके साथ आए विभिन्न वाद्य यंत्रों के जरिए मधुर ताल व संगीत पर संगत कर रहे उनकी टीम ने सबों का मन मोह लिया। भक्त झूम उठे। इस पांच दिनी धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में राधा गोविंद कीर्तन समिति के अध्यक्ष सुबोल पाल सचिव शिव शंकर पंडित उपाध्यक्ष सपन पाल, कोषाध्यक्ष मुकेश पाल, मोहन पाल, अमूल्य पाल, प्रफुल्ल पाल, कलाधर पाल, वीरेंद्र कुमार, रघुवीर पंडित, परशुराम पंडित, पंचपांडव पंडित, अमित कुमार, रोहित कुमार, मिथून पाल आदि ने बताया कि 3 तारीख को अधिवास से शुरू यह धर्मोत्सव 7 तारीख को कुंजभंग एवं धूलट के साथ संपन्न हो जाएगा। पश्चिम बंगाल के बरहमपुर व मालदह सहित स्थानीय प्रवचनकर्ता व कलाकार प्रतिमा पाल, हरेन बर्मन, देवराहा बाबा, निताय़चंद्र पाल, मुकेश पाल आदि ने इस अखंड लीला संकीर्तन को यादगार बना दिया है.

जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत साप्ताहिक हटिया में नुक्कड़ सभा का आयोजन

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार जय भारत सत्याग्रह कार्यक्रम के तहत बुधवार को पाकुड़िया प्रखंड के मोहलपहाड़ी पंचायत में सप्ताहिक हटिया में नुक्कड़ सभा का कार्यक्रम किया. झारखंड कांग्रेस प्रदेश सचिव देवीलाल मुर्मू के नेतृत्व में किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जी को गलत तरीके से सजा दिलाने एवं संसद सदस्यता रद्द करने के विरोध में कांग्रेस पार्टी के संकल्प को व्यक्त करते हुए मोदी अडानी द्वारा जनता के धन और देश के धन की लूट के खिलाफ आम जनता को जागरूक करने हेतु एक नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया. आम जनता को बीच मोदी सरकार के आलोक एवं तानाशाही तांत्रिक का पर्दाफाश किया जाएगा. नुक्कड़ सभा में उपस्थित पूर्व जिला परिषद सदस्य सह जिला सचिव स्टीफन मरांडी, मंडल अध्यक्ष चार्लेस टुडू, कमाल अंसारी, कल्याण मरांडी, जगनाथ बेसरा, सोरेलाल बेसरा अन्य उपस्थित थे.

मिजिल्स रुबैला संक्रमण की रोकथाम को लेकर डीडीसी ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की अपील

माइक्रो प्लान बनाकर लक्ष्य के विरुद्ध शत-प्रतिशत बच्चों को टीकाकरण करे: डीडीसी मो शहिद अख्तर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। जिले में मिजिल्स रुबैला संक्रमण की रोकथाम के लिए 12 अप्रैल से टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। इसे लेकर उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल एवं डॉक्टर मनीष कुमार द्वारा बताया गया कि भारत सरकार ने इस वर्ष मिजिल्स रूबैला के उन्मूलन के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए प्रथम दो सप्ताह स्कूल में, फिर दो सप्ताह आंगनवाड़ी में और एक सप्ताह छूटे हुए बच्चो को टीका लगाया जायेगा।अभियान के दौरान सभी स्कूल, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य संस्थान में टीकाकरण किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, सभी पंचायती राज संस्थान एवं एनजीओ से सहयोग लिया जाएगा। शहरी क्षेत्र में गैर सरकारी स्कूल में सफलतापूर्वक टीकाकरण करने के लिए जिला शिक्षा अधीक्षक सभी स्कूल से बच्चों की लक्षित संख्या समय पर उपलब्ध करवाएंगे। शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य विभाग माइक्रो प्लान बनाकर और प्रचार प्रसार से अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाएंगे। खसरा और रूबैला बीमारी को लेकर सभी प्रखंडों में प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

● टीका पूरी तरह सुरक्षित-

उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर ने कहा कि अभियान के अंतर्गत 9 माह से 15 वर्ष तक के बच्चों को यह टीका लगाया जाएगा। अगर बच्चे ने पहले भी टीका लिया है तो भी उसे टीका दिया जाएगा। कहा खसरा रोग के सफाई तथा रूबैला को नियंत्रित करने के लिए बच्चों को यह टीका दिया जाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा खसरा रूबैला का टीका पूर्ण रूप से सुरक्षित है इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है। बच्चों को यह टीका एक प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं एमओआईसी स्वयं माइक्रो प्लान तैयार करें जिससे कोई बच्चा छूटे नहीं। साथ ही प्रखंड में मुखिया एवं पंचायत समिति सदस्यों का सहयोग ले।

● क्या है रूबैला संक्रमण-

रूबैला एक संक्रामक रोग है। यह भी वायरस द्वारा फैलता है। इसके लक्षण खसरा रोग जैसे होते हैं, यह लड़के या लड़की दोनों को संक्रमित कर सकता है। यदि कोई महिला गर्भावस्था के शुरुआती चरण में इससे संक्रमित हो जाए तो कंजेनिटल रूबैला सिंड्रोम (सीआरएस) हो सकता है जो उसके भ्रूण तथा नवजात शिशु के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। मौके पर डब्ल्यूएचओ डॉ शिरीष कुमार, डॉ अमित कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, सभी प्र-खंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य मौजूद थे।

6 अप्रैल को भाजपा अपना स्थापना दिवस मनाएगी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। भारतीय जनता पार्टी पाकुड़ जिला के पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष की महत्वपूर्ण बैठक आज पाकुड़िया के शहरपुर में हुई. इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमृत पांडे ने की इस. बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री मिस्त्री सोरेन, प्रदेश मंत्री शर्मिला रजक, लोकसभा संयोजक संजीव भगत, लोक सभा विस्तारक मनोज सिंह उपस्थित रहे. 6 अप्रैल को भाजपा अपना स्थापना दिवस मनाने जा रही है. पाकुड़ जिले के सभी 12 मंडलों में कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में पार्टी का ध्वज फहराएंगे. झंडोत्तोलन के पश्चात ठीक सुबह 9:45 सभी कार्यकर्ता अपने-अपने मंडलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुनेंगे. कल भाजपा अपना 44 वां स्थापना दिवस मनाने जा रही है. पार्टी का संदेश को जन जन तक पहुंचाने के लिए जिला अध्यक्ष अमृत पांडे के नेतृत्व में 6 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे कार्यकर्ताओं की टोली जिला कार्यलय से पदयात्रा करते हुए हिरणपुर पहुंचेगी. जहां सुभाष चौक में झंडोत्तोलन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के आहवान पर हेमंत सोरेन सरकार के विरुद्ध 11 अप्रैल को रांची में सचिवालय घेराव किया जाएगा. इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए विस्तृत चर्चा की गई. इस कार्यक्रम में पाकुड़ जिले से लगभग 3000 कार्यकर्ता शामिल होंगे. साथ ही, अन्य सांगठनिक विषयों पर गहन चर्चा की गई. इस बैठक में वरिष्ठ नेता दानियल किस्कू, अजजा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष, दुर्गा मरांडी, बाबूधन मुर्मू, पूर्व विधायक सुफल मरांडी, जिला उपाध्यक्ष तपन मंडल, जिला महामंत्री विजय भगत, जिला मंत्री जामु मरांडी, नोरेन साह, साहेब हांसदा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष जयसेन बेसरा,अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष जोगेश टूडू, मंडल अध्यक्ष मनोरंजन सरकार, विजय भगत, सदानंद रजवाड़ा, पंकज साह, मोजेश टुडू, साधन झा, गौतम पाल, आशीष हेंब्रम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय में पशु चिकित्सक ना होने से पशुपालकों को हो रही है समस्या

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़िया(पाकुड़)। पालतू एवं अन्य पशुओं को समय पर चिकित्सा सेवा उपलब्ध करने वाला प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय में इन दिनों एक भी स्थाई पशु चिकित्सक नही होने का सीधा खामियाजा यहां के हजारों पशुपालकों को रोजाना भुगतना पड़ रहा है। ज्ञात हो कि यहाँ दो दो पशु चिकित्सक उपलब्ध थे परंतु दोनों का महीनों पूर्व यहां से तबादला हो चुका है और इस आदिम जाति जन जाति एवं किसान बहुल सीमावर्ती प्रखंड को महेशपुर प्रखंड के चिकित्सा पदाधिकारी के प्रभार के भरोसे छोड़ दिया गया है जो कब आते हैं और कब जाते हैं इसका पता पशुपालकों को चल ही नही पाता है। नतीजतन उनके बीमार पशुओं का इलाज या तो निकटवर्ती पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों को बुलाकर और मोटी फीस देकर करानी पड़ती है या फिर स्थानीय स्तर पर उपलब्ध झोला छाप डॉक्टरों से अपने बीमार पशुओं का इलाज कराना पड़ता है। यही नही सरकार द्वारा किसानों के पशुओं के हित में दिया जानेवाला फ्री टॉनिक, केल्शियम, दवा आदि के लाभ से भी किसान वंचित हो रहे हैं। ज्ञात हो कि यहां पाकुड़िया प्रखंड में पशुपालकों की बहुलता है जो अपने पशुओं से कृषि कार्य के अलावे दुग्ध उत्पादन पर भी काफी हद तक निर्भर हैं जो इनके आय का भी एक बड़ा जरिया है। पाकुड़िया में दर्जनों ऐसे पशुपालक हैं जिनके पास 20 से लेकर 40 तक उन्नत नश्ल के गाय हैं जिससे वे बड़े स्तर पर दुग्ध का ब्यापार करते हैं उनकी माने तो यहां एक स्थायी पशु चिकित्सक नही होने से उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इधर इस बाबत प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि पाकुड़िया से दोनों पशु चिकित्सकों के स्थानांतरण के बाद वर्तमान में यहां महेशपुर के पशु चिकित्सक प्रभार में हैं। यहां स्थाई चिकित्सक की पदस्थापना हेतु उच्चाधिकारियों से निवेदन किया गया है। बहरहाल इन दिनों स्थाई पशु चिकित्सक के पशु चिकित्सालय में उपलब्ध नही होने का सीधा खामियाजा यहां के गरीब किसानों सहित पशु पालकों को भुगतना पड़ रहा है। इसपर जिले के उच्चाधिकारियों को अविलंब त्वरित संज्ञान लेते हुए यहाँ स्थाई पशु चिकित्सक की पदस्थापना करनी चाहिये।

डीडीसी ने की मनरेगा व आवास योजना की समीक्षा, दिया आवश्यक दिशा निर्देश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर ने मनरेगा व आवास योजना की समीक्षा। सबसे पहले उप विकास आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना में कार्य प्रगति की जानकारी ली। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत द्वितीय किस्त भुगतान हेतु लंबित सभी लाभुकों को द्वितीय किस्त भुगतान करने का निर्देश दिया गया। द्वितीय किस्त भुगतान किए गए सभी लाभुकों का आवास 30 अप्रैल तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। आवास पूर्णता पश्चात अंतिम की सभी लोगों को भुगतान करने का निर्देश दिया गया। बिरसा साहेब भीमराव अम्बेडकर आवास योजना अंतर्गत लंबित द्वितीय किस्त भुगतान करते हुए आवास ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी को अपने पंचायत अंतर्गत चल रही लंबित आंगनबाड़ी, पोटो हो खेल मैदान सहित अन्य योजना को निर्धारित समय तक पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया। सभी मजदूरों का आधार प्रविष्टि कराने बिरसा हरित ग्राम योजना स्वीकृत एवं पीट डीगिंग का कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2022-23 में मनरेगा के तहत मज़दूरों को रोजगार देनें चल रहे योजनाओं को ससमय पूर्ण करने के साथ ही मज़दूरी का ससमय भुगतान करने की गहन समीक्षा की गई। इसके साथ ही मनरेगा के तहत कार्यरत मजदूरों की उपस्थिति एनएमएमएस एप्प से उपस्थिती दर्ज कराने को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिया गया। मौके पर सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, जिला समन्वयक निभा कुमारी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक समेत अन्य उपस्थित थे।

भीषण गर्मी में घंटों पावर कट से परेशान

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पाकुड़िया प्रखंड वासी इन दिनों इस भीषण गर्मी में घंटों पावर कट से परेशान हाल हैं। पाकुड़िया के सभी 148 गांवों में यही हाल है। यहां एक फीडर को 3 घंटे पावर कट के उपरांत एक घंटे बिजली की सुविधा दी जा रही है जिससे उपभोक्ताओं का हाल बेहाल है। खासकर रमज़ान के इस पवित्र माह में बिजली के बिना उपवास रहनेवाले लोगों सहित उनके परिजनों को भीषण मुश्किलों का सामना पड़ रहा है। यह हाल तब है जब उपभोक्ता बिजली बिल चुकाने में पिछले कई महीने से काफी संजीदगी व सक्रियता दिखाते हुए समय पर अपना बिजली बिल जमा करवा रहे हैं। इधर बिजली के बिना घरों में रखे मंहगे बिजली के उपकरण जैसे पंखा, एसी, कूलर, फ्रिज, बस शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि सरकारी पदाधिकारी इसपर ध्यान ही नही दे पा रहे हैं क्योंकि बिजली कटते ही सरकारी डीजल से सरकारी जेनरेटर चलने लगता है जिस कारण उनको पता ही नही चल पाता कि दूर देहातियों का क्या हाल समाचार है। वहीं बिजली विभाग के उच्चाधिकारियों को फोन करने पर वे फोन उठाते नही हैं। बहरहाल समाचार प्रेषण तक तीन घंटे के लिये तालवा सब स्टेशन से बिजली लोड शेडिंग कर दी गई है और लोगों का हाल बेहाल है।

बालीडीह गांव में आईआरएस कीटनाशक का छिड़काव

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया अंतर्गत बालीडी गांव में बुधवार को आईआरएस कीटनाशक का छिड़काव किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कालाजार उन्मूलन हेतु आईआरएस कीटनाशक का छिड़काव किया गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी भारत भूषण भगत ने बताया कि प्रखंड के कूल 18 कालाजार प्रभावित गांवों में सिंथेटिक पायरेथ्राइड 5% नामक कीटनाशक दवा का छिड़काव 1 मार्च से प्रारंभ है। उन्होंने बताया घर के सभी कमरों में उक्त दवाई छिड़काव करने से बालू मक्खी एवं मच्छर मर जाती है जिससे कालाजार रोगों से कमी आ सकती है। केटीएस संजय मुर्मू, नूर आलम सेख द्वारा सभी ग्रामीणों से अपील की गई कि वह घर के सभी कमरों में पूर्ण छिड़काव कराएं ताकि कालाजार एवं मलेरिया जैसे घातक बीमारी से बचा जा सके। इस अभियान में डब्ल्यूएचओ के प्रवीण सिंह केयर इंडिया के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर नफीस उल आलम, एमपीडब्ल्यू रविंद्र मुर्मू, मिशन शेख, अंकित हेम्ब्रम, एसएफडब्ल्यू डी भंडारी, सरवन ठाकुर, माधव ठाकुर, राजेन सोरेन आदि उपस्थित थे।

श्रीकांत बाबू अंतिम दम तक संगठन के लिए संघर्षरत रहे, उनकी बलिदान और तपस्या व्यर्थ नहीं जाएगी: राम रंजन सिंह

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। झारखंड की धरती श्रीकांत बाबू की कर्मस्थली रही है, आज वह हमारे बीच नहीं है। संगठन के लिए उन्होंने अपनी अभूतपूर्व त्याग और तपस्या की है, झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के लिए जो कुछ भी उन्होंने क्या है यह कभी भुलाया नहीं जा सकता उक्त बातें झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के महासचिव राम रंजन सिंह ने कही। इसलिए आज का संदेश उनकी कलम में अपनी स्याही डालकर प्रस्तुत कर रहा है. बहुत दिन नहीं हुए हैं, कुछ ही समय पहले की बात है, हमारे लिए ध्यानाकर्षण के तौर पर हमें कुछ बातें इस रूप में भी अविस्मृत रखनी चाहिए कि हम स्कूल वाले परस्परता में संगठन बनने के पहले कैसे चलते थे? अभिभावक समुदाय में हमारी क्या पहचान थी? हम अपने एक एक व्यक्तिगत समस्याओं से भी कैसे जूझते रहे हैं? पहले हम एक दूसरे के प्रति क्या भावना रखते थे? परम आदरणीय स्व श्रीकांत बाबू के प्रयास से हमारा यूं एक मंच पर आ जाना एक बड़ी उपलब्धि है। और इसलिए बारंबार ऐसे स्त्रोतों के प्रति कृतज्ञता के भाव से आ''ादित हूं। और इसलिए अपनी ओर से मैं उन सभी ऐसे सूत्रधारों (Pioneers) के प्रति कोटि कोटि कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं और ऐसा करते हुए मैं स्वयं में सम्मान का अनुभव करता हूं। सभ्यता के प्रारंभ से ही अखंड मानवीय परंपरा में शिक्षक के कर्म को सम्पूर्ण मानव जाति के लिए दिशा देने वाला कर्म के रूप में पहचाना गया है। क्योंकि एक वही है जो मानव जाति के केंद्र में स्थापित कोई स्वद्विप्त (Luminous) इकाई के रूप में बैठा हुआ है और इन्हीं से एक से लेक-र अनंत तक आज मानवता प्रकाशमान है। परम आदरणीय श्रीकांत बाबू के प्रेम स्नेह त्याग संघर्ष और और कर्तव्यनिष्ठ मार्गदर्शन से हमारे आपसी संबंधों में नजदीकियां बढ़ती चली गई। इस रूप में उनके योगदान भी सराहनीय है और इसके आगे भी एक पंक्ति लिखूं कि आज हम सभी भाई भाई रूप में एक दूसरे के साथ सुख दुख में खड़े हैं तो यह भी सराहना योग्य उक्ति है। मानव में निहित वैचारिक साम्यता ही आधार मूल्य है। साम्यता ही ज्ञान के लिए उन्नति में एक महत्वपूर्ण सहायक तत्व है। इसलिए उनका हमारे लिए हर कदम पर समर्पण, मार्गदर्शन, सत्यनिष्ठ हो कर्म को गतिमान बनाये रखने की प्रेरणा सदैव सरलता से अर्पित रहा हम सभी एसोसिएशन के साथी उन्हें नमन करते हैं। दुख की इस घड़ी में उनके दिवंगत आत्मा के शान्ति सद्गति हम सब ईश्वर से बंदना करते हैं।

झामुमो 44 वां स्थापना दिवस के तोरण द्वार में लिखा गया हेमंत सोरेन अमर रहे, जाने झामुमो नेताओं की राय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

हजारीबाग। हजारीबाग में झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा 44 में स्थापना दिवस के अवसर पर संत कोलंबस ग्राउंड मैदान के मुख्य द्वार पर एक तोरण द्वार बनाया गया था। जिसमें एक तरफ टेकलाल महतो अमर रहे तो दूसरी तरफ हेमंत सोरेन अमर रहे तस्वीर लगी हुई थी। जिसे देखते ही क्षणभर में सोशल मीडिया के द्वारा वायरल हो गया। इसे झारखंड मुक्ति मोर्चा के कुछ नेताओं ने नादानी तो कोई नेताओं ने जिला अध्यक्ष शंभू लाल यादव को जिम्मेवार बताया।

झामुमो नेता दीपक राय ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

● झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सह वरिष्ठ नेता संजय गुप्ता ने बताया कि यह जिला अध्यक्ष को देखने की जिम्मेवारी थी । लेकिन उन्होंने भूलवश नहीं देख पाया। जिससे इस तरह का गलत मैसेज पूरे झारखण्ड मे फैल रहा है।

● झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व केंद्रीय सचिव झामुमो के वरिष्ठ नेता रमेश कुमार साहू ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए जिला अध्यक्ष शंभू लाल यादव पर त्वरित कार्रवाई पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को करनी चाहिए।

● वही पूर्व प्रवक्ता नौशाद आलम ने बताया कि यह बैनर लिखने वाले की गलती है। न जाने जिलाध्यक्ष किसको यह छापने दी थी। जो नादानी के रूप में ऐसा हम लोगों को अपमानित करने का काम किया एवं मुख्यमंत्री को भी अपमानित किया।

● (5) वहीं झामुमो के वरिष्ठ नेता उमेश गुप्ता ने बताया कि यह हजारीबाग के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है ।जब हम लोग कार्यक्रम करवाते थे । तो संगठन में एकजुटता रहती थी, और काफी भीड़ लगी हुई रहती थी। साथ ही साथ सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को मनाने में रूची लेते थे। लेकिन अब कुछ दिनों से सभी कार्यकर्ता एवं नेता उदास हो गए हैं। जिसका यह दुष्परिणाम ही है। इससे संगठन भी कमजोर हो रहा है ,और विरोधियों को तंज कसने का मौका भी मिल रहा है ।इसकी जिम्मेवारी भी लेनी चाहिए।

● (4) जिला सहसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने बताया कि यह हम लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें जिलाध्यक्ष को अपनी गलती को समझना चाहिए। यह सभी कार्य के लिए करना चाहते हैं जिसका दुष्परिणाम यह सब होता है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जुलूस निकाले जाने का निर्णय

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निरसा। लायकडीह महावीर स्थान में मंगलवार की रात को ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसमें प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से लोग शामिल हुए। डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बाबुडंगाल मोड़ से तीन नंबर और चिरकुंडा शहीद चौक तक भव्य जुलूस निकालने का निर्णय किया गया। मौके पर मुखिया रंजीत पासवान, रोबिन हाड़ी, मनोज नोनियां, संजय ठाकुर, संजय राम, रवि राम, टुन्नू राम, चंद्रदीप राम, शचामल बाउरी, शंकर राम, प्रमोद, राजेश राम, मनोज राम, कीर्तन हाड़ी, संतो हाड़ी, महेंद्र भुइयां, रवींद्र यादव आदि थे।

बड़कागांव में 21 अप्रैल को झारखंडी भाषा संघर्ष समिति का खतियानी महाजुटान को लेकर बैठक संपन्न

● **21 अप्रैल को टाइगर जयराम महतो का बड़कागांव में आगमन होगा**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बड़कागांव झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के बैनर तले बुधवार को सोनी धर्मशाला में बैठक की गई जिसकी अध्यक्षता मोहम्मद इब्राहिम एवं संचालन राज किशोर कुमार ने किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 21 अप्रैल को प्लस टू उच्च विद्यालय बड़कागांव खेल मैदान में खतियानी महा जुटान का आयोजन किया जाएगा जिसमें बतौर मुख्य अतिथि टाइगर जयराम महतो शामिल होंगे। वही बैठक में वर्तमान में सरकार के द्वारा चल रहे 60 – 40 नियोजन नीति का भी लोगों ने पुरजोर विरोध किया । बैठक में मुख्य रूप से पश्चिमी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मोहम्मद इब्राहिम, नकुल महतो, विकास कुमार, विनय महतो, शशि मेहता, टेकलाल कुमार ,अशोक महतो, डॉ सुरेंद्र कुमार, राजकिशोर, फुलेश्वर महतो, पिंटू कुमार, विजय ठाकुर ,राजबल प्रसाद, तिलेश्वर कुमार, रंजन कुमार ,रंजन साहू, के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

कांग्रेसियों ने आधे घंटे तक मैथन टोल प्लाजा पर की नाकाबंदी, वाहनों की लगी लंबी कतार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निरसा। राहुल गांधी की आवाज को दबाने के लिए संसद से सदस्यता समाप्त की गई। झारखंड प्रदेश युथ कांग्रेस अध्यक्ष अभिजीत राज के आ''ान पर राहुल गांधी के समर्थन में धनबाद जिला युवा कांग्रेस ने बुधवार को मैथन टोल प्लाजा पर नाकाबंदी की। सड़क पर बैठकर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। टोल प्लाजा जाम होने के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लम्बी कता लग गई। मैथन ओपी प्रभारी बालाजी राजहंस ने आंदोलनकारियों से बात कर आधे घंटे में ही आंदोलन समाप्त करा दिया। नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन तो सांकेतिक है। ताकि मोदी सरकार होश में आ जाये। देश की युवा कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हैं। मोदी सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी की आवाज को दबाने के लिए बदले की कारवाई के तहत संसद की सदस्यता समाप्त की गई है। मोदी सरकार राहुल गांधी से डरे हुए हैं। मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने पर राहुल गांधी को सजा दी जा रही है। सरकार बताये कि अडानी की कम्पनी में 20 हजार करोड़ रुपये किसके हैं। कहा कि मोदी सरकार द्वारा आम जनता की जमापूंजी और बैंकों के पैसों को अडानी पर लुटाया जा रहा है। मौके पर युवा कांग्रेस के जिला प्रभारी विनोद छतरी, जिला अध्यक्ष कुमार गौरव, जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, विधानसभा अध्यक्ष रवि सिंह, सावन सुमन, सन्नी सिंह, तबरेज खान, मनोहर महतो, राजीव रंजन, नवनीत नीरज, शरीफ अंसारी, टिंकू अंसारी, संतोष राय, योगेंद्र सिंह योगी, मनोज हाड़ी, दीपक यादव, राकेश मिश्रा, मंजर आलम, कुमार अभिरव, जामताड़ा जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस तनवीर आलम, दानिश रहमान, सिद्दू दास, कृष्णा राम, सिद्धान्त खान, रितिक कुमार, दीपक सिंह आदि सैकड़ो कार्यकर्ता सहित जामताड़ा युवा कांग्रेस उपस्थित थे।

आजसू कार्यकर्ताओं ने शहीद रघुनाथ महतो के पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बड़कागांव बड़कागांव गुरु चट्टी स्थित आजसू कार्यालय में प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा के अध्यक्षता में शहीद रघुनाथ महतो के पुण्यतिथि पर लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा ने कहा कि अमर शहीद वीर रघुनाथ महतो अमर रहे। सहित रघुनाथ महतो ने भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के दांत खट्टे किए। भारतीय क्रांतिकारी एवं एक महान नेता थे। जिन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध चुआड़ विद्रोह का नेतृत्व किया था।

वही प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार वर्मा ने कहा कि शहीद रघुनाथ महतो अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ किया था विद्रोह, रघुनाथ महतो ने समाज के लिए अपनी कुर्बानी दी , भारतीय क्रांतिकारी एवं एक महान नेता थे। छोटा नागपुर क्षेत्र में अंग्रेजो के खिलाफ पहला विद्रोह था। ऐसे महापुरुष किसी समुदाय जाति के बंधन में बंधे नहीं हुए सिर्फ भारत माता के सपूत है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के काला कानून व्यवस्था के खिलाफ रघुनाथ महतो ने ग्रामीणों को एकजुट कर तत्कालीन एक शस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। मौके पर मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा, जिला उपाध्यक्ष कामेश्वर महतो, जिला सचिव दिनेश कुमार, तुलेश्वर राम, सनी कुमार, हीरा महतो, कमलेश कसेरा ,भुनेश्वर महतो, डॉलेश्वर कुमार, प्रकाश कुमार के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

चाकू के वार से दो सगे भाई जख्मी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। शिवलीबाड़ी पूर्वी पंचायत के नीचे मुहल्ला में मंगलवार की रात चाकू के वार से दो सगे भाई जख्मी हो गये। दोनों को स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एसएनएमएमसीएच धनबाद रेफर कर दिया गया है।

● **क्या है पूरा मामला--**

मुहल्ले में दो युवक किसी बात को लेकर आपस में झगड़ा कर रहे थे। तभी वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति ने झगड़ा करने वाले युवकों को डांट फटकार लगायी व झगड़ा छुड़वा दिया। उनमें से एक युवक को यह नगवारा लगा। एक घंटे बाद

वह युवक दस पन्द्रह साथियों के साथ झगड़ा छुड़ाने वाले व्यक्ति के घर जा धमका। गाली गलौज व मारपीट करने लगा। उस व्यक्ति ने खुद व परिवार को बचाने के लिये घर में रखा चाकू निकाल युवक मो इफ्तेकार (45) पर वार कर दिया। बीच बचाव में उसका सगा भाई मो लड्डन (27) भी चाकू के वार से घायल हो गया। सूचना पर कुमारधुबी पुलिस मौके पर पहुंची। जख्मी दोनों भाईयों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है। वहीं क्षेत्र के एक नेता मामले को रफा-दफा करने में जुट गये हैं।

डुमरकुंडा अस्पताल को चालू कराने की मांग को लेकर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष ने सीएम को किया ट्वीट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। एग्यारकुंड प्रखंड क्षेत्र के डुमरकुंडा उत्तर पंचायत के आदिवासी बहुल ग्राम बाउतीडीह के समीप सात वर्ष पहले बने हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भवन (अस्पताल) आज तक नियमित रुप से चालू नहीं हो सका है। जबकि सेंटर के रंगरोगन में प्रतिवर्ष लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं। वाबजूद यहां के लोगों को स्वास्थ्य

लाभ नहीं मिल रहा है। लोगों को बंगाल या अन्य क्षेत्रों में जाकर इलाज कराना पड़ रहा है। झामुमो के एग्यारकुंड प्रखंड अध्यक्ष रामनाथ सोरेन ने बुधवार को सेंटर का जायजा लिया। उन्होंने सूबे के सीएम हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और डीसी को ट्वीट कर अस्पताल चालू कराने की मांग की है। कहा कि 2016 में अस्पताल भवन बनकर तैयार हो गया लेकिन आजतक चालू नहीं हुआ है। प्रति वर्ष रंगरोगन में लाखों खर्च किए जाते हैं जो जांच का विषय है। क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य लाभ भी नहीं मिल रहा है।

शहीद विनोद यादव का मनाया गया शहादत दिवस, गोमिया और मांडू विधायक भी हुए शामिल

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। तेनुघाट में शहीद विनोद यादव की शहादत दिवस मनाया गया। मौके पर गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने कहा की शहीद विनोद यादव की शहादत दिवस पर आज हम लोग यहां मौजूद हुए हैं। हमें उनके नक्शे कदम पर चलना है। मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल ने भी शहीद विनोद यादव की जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके पर कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

आजसू ने मनाया रघुनाथ महतो का बलिदान दिवस

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। आजसू पार्टी डुमरी प्रखंड कमिटी द्वारा बुधवार को इसरी बाजार पंचायत सचिवालय में शहीद रघुनाथ महतो की बलिदान दिवस मनाया गया,कार्यकर्ताओं ने शहीद रघुनाथ महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण करके उनके क्रांतिकारी जज्बे को सलाम करते हुए झारखंड के लोगों को सीख लेने व उनके विचारों को आत्मसात करने की अपील की।इस दौरान विधानसभा प्रभारी यशोदा देवी अनुमंडल सांसद प्रतिनिधि छक्कन महतो जिला उपाध्यक्ष सुनील महतो प्रखंड अध्यक्ष सतीश महतो सचिव महेश वर्मा जिला सदस्य दुलारचंद महतो अशोक यादव,तिलक महतो,ओमप्रकाश पंडित,मोहन महतो,कामेश्वर महतो,प्रेमचंद महतो,पुरन महतो,वकिल महतो,सरस्वती देवी,अनीता देवी,शिव कुमार महतो मधगोपाली पंचायत मुखिया जागेश्वर महतो,अमृत कुमार,टुकन महतो,सुरेश कुमार आदि उपस्थित थे।

खांकीखुर्द में हुई पुलिस एवं ग्रामीणों के बीच बैठक

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। डुमरी में डुमरचुटियो पंचायत के खांकीखुर्द में 30 मार्च की रात्रि को असामाजिक तत्वों द्वारा की गई गौ की हत्या व थन काटे जाने की घटना को लेकर बुधवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंचायत के ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं पुलिस अधिकारीगण उपस्थित हुए।उपस्थित ग्रामीणों से डुमरी एसडीपीओ मनोज कुमार ने शांति व्यवस्था व सौहार्द का वातावरण बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस मामले को लेकर गंभीर है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। वहीं प्रमुख उषा देवी ने भी पंचायत वासियों से धैर्य व सौहार्द को बनाये रखने की अपील की।कहा कि घटना अत्यंत ही निन्दनीय है।इस दौरान इंस्पेक्टर परमेश्वर लेयांगी निमियाघाट थाना प्रभारी साधन कुमार आदि दोनों समुदाय के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

कथारा ओपी के असनापानी मे एक व्यक्ति ने पंखे से झुलकर जीवन लीला किया समाप्त

● **कारण का पता नहीं, पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा**

बेरमो /कथारा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। कथारा ओपी के कथारा पंचायत अंतर्गत असनापानी स्थित मुंडाटोली मे एक व्यक्ति सरजू मोदी का पुत्र आकाश मुंडा ना मालूम कारणो से अपने आवास मे ही पंखे से झुलकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर डाली। घटना क्यो कर घटी इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। इधर पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही कथारा ओपी प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और शव को फंदे उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। इधर घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जबकि पुलिस का कहना है कि जब तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नही आ जाता है तब तक इस संबंध में कुछ भी कहना मुश्किल है। कुल मिलाकर पास पड़ोस के लोगो ने भी घटना के पिछे का कोई ठोस कारण नही बताया जो उल्लेखनीय हो।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की 39 छात्राओं को दी गई विदाई

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बड़कागांव। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बड़कागांव से 12वीं के 39 छात्राओं का विदाई समारोह की गई। विदाई समारोह के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष होरिल महतो एवं संचालन शिक्षक सीताराम महतो ने किया। कार्यक्रम में सभी छात्राओं का विद्यालय के प्रति एवं अध्ययन के दौरान गतिविधि पर मूल्यांकन किया गया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार ने छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए नौकरी, व्यवसाय, गृहिणी एवं सामाजिक परिवेश में परिवार समाज गांव प्रखंड जिला राज्य एवं देश के लिए उच्च शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति एवं संस्कार को बनाए रखने की बात कही गई। सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं उपहार देते हुए विद्यालय परिवार ने विदाई दी। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन पत्रकार नरेश कुमार ने किया। मौके पर अध्यक्ष होरील महतो, उपाध्यक्ष सीमा देवी, वार्डेन लीलावती कुमारी, अकाउंटेंट राजकुमार साहू, खेल शिक्षक श्रीकांत निराला, शिक्षक सीताराम महतो, चिंतामणि महतो, प्रमोद कुमार, विनीता कुमारी, ग्रेस मरियम, संगीता कुमारी, रूबी कुमारी सहित अन्य शिक्षक- शिक्षिकाएं अभिभावक एवं विद्यालय के सभी छात्राएं उपस्थित थे।

रेलवे विस्तारीकरण को लेकर कुमारधुबी में 39 घरों पर चला बुलडोजर

नामचीन नेताओं को नहीं आने पर ग्रामीणों में आक्रोश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

निरसा। फ्रेड कोरिडोर निर्माण (रेलवे विस्तारीकरण) को लेकर बुधवार को काफी संख्या में पुलिस बल और आरपीएफ की उपस्थिति में कुमारधुबी स्टेशन से सटे मेढ़ा पंचायत के नया नगर, औघड़डंगाल के 39 घरों पर रेलवे ने बुलडोजर चलाया। हालांकि मासस नेता मुन्ना यादव और मुखिया मनोज राउत ने रेलवे की कार्रवाई का विरोध किया लेकिन टीम एक न सुनी। रेल लाइन से 264 फीट तक अतिक्रमण को हटाया गया। पिछले तीस वर्षों से

लोग यहां घर और जुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। आशियाना छिन जाने के बाद लोग बेघर हो गये हैं। आंखों से छलकते आंसू को रोकते हुए ग्रामीणों ने कहा कि एक-एक तिनका चुनकर किसी तरह से आशियाना खड़ा किया था। जो पल भर में बिखर गया। ग्रामीणों ने कहा कि आज सांसद, विधायक, पूर्व विधायक कोई नहीं आए। इनके आश्वासन के बाद भी रेलवे ने उन्हें बेघर कर दिया। रेलवे द्वारा हटाए जाने के दौरान एक भी नामचीन नेता सामने नहीं आए। ग्रामीणों में इन नेताओं के प्रति आक्रोश व्याप्त है। कहा कि नेताओं ने अपने वोट बैंक के लिए आजतक सिर्फ झूठी आश्वासन देता रहा। कहा कि झारखंड सरकार और रेलवे को जुग्गी झोपड़ियों में रह रहे लोगों को पहले पुनर्वास की व्यवस्था होनी चाहिए थी। इसके बाद बुलडोजर चलाना चाहिए था। अब वे बाल बच्चों को लेकर कहां जाएंगे। रेल अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त करने के लिए ग्रामीणों को पांच बार नोटिस दिया गया था। लेकिन किसी ने स्वयं से जगह खाली नहीं किया। अंत में मैथन पुलिस और आरपीएफ की उपस्थिति में उन्हें जबरन हटाया गया। कहा कि फ्रेड कोरिडोर के तहत यहां विद्युत सबस्टेशन का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए अतिक्रमण हटाया गया।

What is in a degree?

Professor M.C.Behera

Jharkhand dekho/ desk: Election ahead, the political grapevines become active in weaving the fabric of allegations and counter allegations. In a country like India, with elections to the State Assemblies, Councils, Parliament and several local bodies at various levels, every month appears as an election month. That makes the political grapevine a permanent organ of democracy. And in this era of globalisation Indian grapevine does not hesitate to outsource also! Creativity in grapevine often captures our imagination and thinking process to the extent that nothing beyond it looks logical. Allegations and counter allegations, sometimes though very queer, are not questioned. Even if one questions it becomes too feeble to be ever heard. Politicians are so engaged in feeding the grapevine and so satisfied in the process that nothing but the sordid absurdity appears to be real national interest to them. And they do everything to make the people believe in it! Otherwise, they could have come together to frame laws for conducting all elections at the same time to save money and time to be invested in real national development.

Recently, the degree of Prime Minister Narendra Modi is a hot topic on grapevine. Suppose, it comes out that he has no degree or he is illiterate, would it make any difference in the way he works? Does his speech, presentation of problems at national and international levels, dealing with national and international issues, building up of international relations or his understanding of the nation require the stamp of his degree in order to be authentic? Over and above, does nation's ignorance of his degree and qualifications violate any constitutional provisions? Or, in general, does it make one disqualifies as a legislature, minister, CM or PM? There are many good things to do for the interest of the nation than to invest time in such trifle matters like finding the degree of a person and if not found, then to pin down the person for a sadistic pleasure. Can there be anything more sordid than this?

We often doubt whether thought, word and deed of a person are in compliance with the degree it holds, because instances sometimes prove contrary to the theory. Human quality, viz. thought, word and deed, which should uphold the dignity of formal degrees, shows very poor taste. On one hand we have persons of tallest degrees. Mani Shankar Aiyar's formal degrees are beyond doubt. But the words like chai wala, nich he used for the PM are not in compliance with his degrees. His thought also betrayed his degrees when he sought Pakistan's help to place the Congress in power. So are also his deeds, his closeness with Kashmiri separatists. It is claimed that Rahul Gandhi has degrees from Cambridge and Harvard. But his idea of manufacturing gold by using potato as raw material or measuring flour in litres does not match his degrees. Had it been slip of tongue, he could have corrected himself instantly. All the qualifications and degrees of Dr. Manmohan Singh could not help him to deliver effectively as a PM. His tenure was marked by scandals!

On the other hand, people without education also worked wonder. Emperor Akbar was illiterate. But his wisdom, efficiency, understanding and quality of a successful king were unparalleled. If we go back in history, Kalidas, Aryabhat, Bhaskaracharya and several others did not have formal degrees. Thomas Alva Edison did not even have formal schooling. Their contributions have withstood the test of time. Rabi (Rai) Das was born blind and so was Bhima Bhoi, whose poems popularised the Mahima cult. His famous line, 'Even if my life go to hell, let the world achieve salvation' has found a place in UNESCO. His thought does not reflect his illiteracy.

There are thousands of examples where persons without big degrees made excellent contributions. Gurudev Rabindra Nath Tagore did not have any formal degree. Can we undervalue his time tested manifold creativity because he did not have formal degrees? Had his degrees been a measure of quality of his contributions, perhaps he could not have received Nobel Award. Hare Krushna Mhatab in Odisha could not complete his B.A. degree. But he was a historian of repute, an expert in Jagannath cult; and at the same time an acclaimed journalist, poet, writer, statesman, political visionary, sports man, musician, orator and what not. His contributions have no meaning if valued in terms of his formal education! He is in fact the architect of modern political Odisha. Had a formal degree been eligible criterion for political participation, then Sonia Gandhi and Priyanka Vadra could not have reached the position they hold, and Rabri Devi in no circumstance could have the CM. Tejaswi Yadav and Teja Pratap Yadav of Bihar could not have dreamt of becoming ministers. J.P.Narayan with degrees from University of Wiscon and Ohio State University could not become a minister either in Bihar or at Centre, but he became Lok Nayak, a public space denied to many degree holder politicians.

At the time of forming first government in Independent India, B.R.Ambedkar had attractive foreign degrees. In place of J.L. Nehru he could have become PM on the basis of his degrees. Pranab Mukherjee could have become PM also. In fact there is no prescribed and specific formal degree as qualification for a legislature, minister, CM or PM. That is why film actors, sportspersons photographers, who have only specialised skills, enter into politics. Politics and political position have no correlation with formal degrees.

Therefore, stupidity and cunningness seem working together the mind of Arvin Kejriwal when he is engaged in finding the degree of Narendra Modi. The stupidity has no boundary. Not a surprise that it infected Uddhav Thackeray who has the degree of photography and had interest in it. Interestingly, the Court fined Kejriwal for his stupidity, but a jackal never parts with his stupid cunningness. Does Kejariwal's degree teach him to distinguish between priority and triviality in the interest of the nation? Does it teach him to mislead the nation by diverting it from his promises of a corruption free system? Ironically, his ministers are in jail and other members of his party have allegation of corruptions. Surprisingly, his system, which he promised to clean is immersed in corruption! Had his degree taught him honesty and integrity, he would have cleaned his system once it was alleged. Rather he shifts the blame, but remains blind to corruption in his party and government. It seems that either he himself is involved or does not possess any ability to understand and control his colleagues. His degree does not match his thought of eradicating corruption. Had that been so, he would have resigned on moral ground, once his failure was noticed, like Lal Bahadur Shastri, who resigned consequent upon a rail accident. And he was not an IIT degree holder! Commitment to purpose and honesty in thought don't always go with the degree; rather it is the personality and education (not degree) that makes a person committed.

As we know freebies damages national development and social harmony. Tax payers, whose money is spent on freebies, have started resenting the practice. Freebies do not develop a sense of self-dignity of the beneficiaries. Importantly, freebies, if one goes to the villages, will find rural producers have been reduced to lazy consumers. When extra money comes to the hands of beneficiaries they spend on liquor. With no work, mind is not idle; but it turns to be a devil's workshop. It is quite evident if one observes a village or slum area. How come IIT degree could not help Kejriwal, the present Freebie King, appreciating problems embodied in freebies?

It is common place knowledge that degree makes one mature, descent, and develops a sense of self-dignity. It is not hidden from public how Kejriwal lies, blames and apologises. It should be mentioned that Narendra Modi became PM by not showing his degree, but on the basis of people's choice in the democracy. Is not the demand for the degree above people's choice an act of insulting public and democracy. The example shows that there is no connection between degree and behaviour of a person. Mamata Banerjee is another example.

It reminds Juliet's line in Shakespeare's Play Romeo and Juliet that 'what is in a name', spoken in1597. The essence is that a rose with another name would also spread the same smell. Quality of an individual similarly does not come from his or her degree, rather from his/her internal refinement and innate virtues imbibed from positive informal system of education. In politics as we have seen from the examples, certainly there is no connection of formal degree with commitment to nation, public and with holding a position. It is not formal degree; but positive thought, word and deed which should be the required and standard degree in politics. One who engages to draw attention on trifle matters is like the sixth and seventh fools of Tenali Ramakrishna, whom the king had asked to present seven fools in the court. While there are so many productive and compelling works to do for public and nation's good, both who spend time and money in trifle things and who orders to do so are greater fools. Good formal degree holders should not be greater fools in public eyes.

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar,Papum Pare District,Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;The views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

50 बेड वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल का होगा निर्माण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सेमरदुमा मौजा में 50 बेड वाले क्रिटिकल केयर अस्पताल निर्माण कार्य को लेकर बुधवार को अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल जामा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के साथ सेमरदुमा गांव पहुंचे और प्रस्तावित भूमि पर अस्पताल निर्माण कार्य को लेकर भूमि का सीमांकन एवं चिन्हित किया । इस दौरान अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग झारखंड सरकार की अपर मुख्य सचिव द्वारा जारी निर्देश के आलोक में जामा प्रखंड क्षेत्र के सेमरदुमा मौजा में 50 बेड वाला क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल बनाने हेतु भूमि का चयन किया गया है।जो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामा एवं फूलो झानो मेडिकल कॉलेज दुमका के अधीन संचालित होगा।अस्पताल के निर्माण कार्य के लिए गैरमजरूआ जमीन हस्तांतरण हेतु जामा अंचलाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमे सेमरदुमा मौजा में प्रस्तावित 2.50 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। जिस पर 50 बेड वाले फूलो झानो मेडिकल कॉलेज के तत्वावधान में अस्पताल निर्माण हेतु विभागीय निःशुल्क भू हस्तांतरण की स्वीकृति प्राप्त हुई है। सीओ ने बताया कि इस परिपेक्ष्य में पहले सरकारी अमीन के द्वारा प्रस्तावित जमीन की मापी करायी गयी थी लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी अमीन के मापी करने के बाद पुनः ग्रामीणों द्वारा निजी अमीन से मापी कराया गया जिस पर सीमांकन को लेकर आपत्ति जताई है। ग्रामीणों का कहना है कि खेत खलिहान जाने के लिए रास्ता मिल सके इसके लिए पुनः मापी कराकर सीमांकन कराया जाएं। अंचलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों की मांग पर विचार करते हुए जमीन की पुनः मापी कराने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी दुमका से आमीन की मांग की गई है।पुनः 6 अप्रैल को मापी कराई जाएगी।

आरक्षण शून्य करने के विरोध में मशाल जुलूस का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका जिला आरक्षण रोस्टर में ओबीसी को आरक्षण शुन्य करने के विरोध में विशाल मशाल जुलूस का आयोजन किया गया। उक्त मशाल जुलूस दुमका के यज्ञ मैदान से निकलकर मारवाड़ी चौक, वीर कुंवर सिंह चौक,थाना रोड, धर्मस्थान होते हुए टीन बाजार चौक पर पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष माधव चंद्र महतो ने तथा संचालन महासचिव संदीप कुमार जय बमबम ने किया। सभा को संबोधित करते हुए निम्नलिखित लोग शामिल हुए- मोर्चा के संरक्षक राधेशचाम वर्मा, केंद्रीय अध्यक्ष माधव चंद्र महतो, केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष असीम मंडल,महासचिव संदीप कुमार जय बमबम,प्रेम केसरी,दुमका जिला अध्यक्ष इंद्र कांत यादव,आनंदी राउत, बरुण यादव,महिला मोर्चा की अध्यक्ष प्रिया रक्षित,दिवाकर महतो, अमरेंद्र यादव, पूनम केसरी,मोनिका देवी,बेबी मंडल,प्रमोद जायसवाल,जयप्रकाश यादव,जयकांत जायसवाल,विजय कुमार ,रंजीत जायसवाल,राजेश कुमार राउत,अशोक कुमार राउत, लक्ष्मी नारायण साह, बिकास कुमार,पप्पू साह,कैलाश प्रसाद साह,कुलदीप यादव,जितेंद्र साह,रविकांत राउत,विक्रम कुमार, संजय शर्मा, रामदेव मेलर प्रधान खुंटीजोर, मनीष कुमार यादव,सपन पंडित,विकास कुमार के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मशाल लेकर अपने संवैधानिक अधिकार के लिए झारखंड सरकार के कुम्भकरणीय निंद्रा को तोड़ने के लिए 27% आरक्षण दुमका जिला रोस्टर में बहाल करने के अपनी चट्टानी एकता को प्रदर्शित किया।

बाबा मंदिर प्रांगण स्थित सभी दानपात्रों को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया....

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई कि 5.04.2023 को बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्र को मंदिर प्रशासन की देखरेख में खोला गया। साथ ही गिनती के पश्चात दानपात्र से कुल आय 11,41,833 के अलावा नेपाली रुपिया 851, अमेरिकन डॉलर 21, ब्रिटिश पेन्स 50, मलेशियाई सेन 50, यूरो सेण्ड 20, चांदी 600 ग्राम, सोना 11 ग्राम दान स्वरूप प्राप्त हुआ।

इससे अलावे मंदिर के दान पात्र को कड़ी सुरक्षा के बीच खोला गया। पात्र से निकले पैसे को गिनती के लिए मंदिर प्रशासनिक भवन में रखा गया। ज्ञात हो कि इससे पहले 25 फरवरी 2023 को बाबा मंदिर प्रांगण स्तिथ सभी दानपत्रों को खोला गया था।

डहरभंगा में बना इंडोर स्टेडियम और संसद भवन कबाड़ में तब्दील

टाटीझरिया(हजारीबाग)/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड क्षेत्र के डहरभंगा में 1996 -97 में आदर्श गांव की घोषणा होने पर इंडोर स्टेडियम और संसद भवन बनाया गया था । भवन बनने के बाद उक्त भवन में एक दिन भी किसी प्रकार की बैठक नहीं हुई,न कोई खेल हुआ। आलीशान भवन और इंडोर स्टेडियम अब खंडहर बन गया। यह अब शरारती तत्वों का डेरा बनकर रह गया है। भवन के खिड़की -दरवाजे सब गायब हो गए हैं,यहां तक की अब टाइल्स भी धीरे -धीरे उखाड़े जाने लगे हैं। अच्छा होता इसे किसी विभाग के कार्यालय के रूप में दे दिया जाता,ताकि इसका सदुपयोग हो।

अच्छे बच्चे

आधुनिक जीवन शैली और एकाकी जीवन प्रवृति, शांत स्वभाव वाले व्यक्ति को भी हिंसक बना सकती है। ऐसे ही वातावरण में जीते बच्चे भी हिंसक होते जा रहे हैं। बच्चों पर हिंसक फिल्में, कार्टून, माता-पिता का तनावपूर्ण जीवन, दिन भर या अधिकांश समय अकेले रहने का घातक असर पड़ता है। आजकल अधिकांश बच्चे उनकी एक भी बात नहीं सुनते, बहुत जिद्दी हो गए हैं। अपनी जिद को हथियार बनाकर वे आपने पेरैंट्स से अपनी जायज या नाजायज हर तरह की मांगें मनवा लेते हैं। चूंकि बच्चों को जिद्दी बनाने और बिगाड़ने में सबसे ज्यादा हाथ उनके मां-बाप का होता है अतः अगर आप चाहते हैं कि बच्चा मृदु स्वभाव वाला रहे तो इन बातों पर ध्यान दें-

- बच्चे हर माता-पिता को समान रूप से प्रिय होते हैं। अत: उनकी गलत जिद के आगे कभी मत झुकें। प्यार से समझते की कोशिश करें।
- पति-पत्नी में से यदि कोई एक बच्चे को डांटता है तो दूसरा उसे प्यार से न पुचकारे क्योंकि इससे बच्चा सही और गलत में अंतर नहीं कर पाता।
- यदि आपको लगे कि छोटी-छोटी बातों पर आपका बच्चा चिड़चिड़ा होने लगा है तो कारणों को जानने की कोशिश करेंष उसे उसकी रूचियों में ढालने की कोशिश करें।
- छोटे बच्चों में भी आत्मसम्मान की भावना होती है। उसे किसी भी दोस्त या मेहमान के समाने न डांटें। उस पर विश्वास रखें और खूब प्यार करें। छेटी-ठोटी बातों पर उसकी राय लें।
- बच्चों के लिए समय निकालें। उनको पिकनिक पर ले जाएं, घुमाएं-फिराएं। उनके स्कूल से उनकी पढ़ाई की पूरी दानकारी लें व पेरैंट्स-टीचर मीटिंग अवश्य अटैंड करें।
- अगर आपका बच्चा जिद्दी हो तो आप उसकी टीचर को इस व्यवहार से अवश्य अवगत कराएं क्योंकि अपने तरीके से कुछ हद तक टीचर्स भी बच्चों में यह आदत समाप्त कराने में सहायक हो सकते हैं।
- यदि बच्चा बहुत ज्यादा जिद करे तो कुछ समय के लिए उसे अकेला छोड़ दें। जब वह देखेगा कि उसे कोई भाव नहीं दे रहा तो वह स्वयं चुप कर जाएगा।
- बच्चे के रोने-चिल्लाने रक उसकी किसी भी मांग को पूरा न करें वरना वह हमेशा ऐसा करने लगेगा और माता-पिता मजबूरी को भुनाने की कोशिश करेगा।
- कई बार माता-पिता कह देते हैं कि अगर तुम कक्षा में प्रथम आओगे या फलां काम करोगे तो तुम्हें अमुक चीज लेकर देंगे। ऐसी ब्लैकमेल वाली स्थिति न आने दें।
- यदि परिवार में एक से ज्यादा बच्चे हैं तो भूल कर भी उनमें तुलना न करें। सिर्फ एक की प्रशंस या दूसरे की निंदा न करें। इससे बच्चों में आपस में प्यार बढ़ेगा और वे एक-दूसरे के अच्छे गुणों को स्वयं में लाने का प्रयत्न करेंगे।
- बच्चों की गलती को मार-पीट, धमका पर सुधारने की बजाय गलतियां न करने की समझइश प्रेम से दें।
- कुछ ऐसा वातावरण तैयार करें ताकि किसी क्षेत्र में असफलता मिलने पर वह हून भावना से ग्रस्त न हो बल्कि उसे आत्मविश्वास बढ़ाने वाला माहौल दें।

दूसरों के सामने बच्चों की बैइज्जची न करें।

- कभी-कभी बच्चे दूसरे बच्चों की हरकतों को देखकर, छोटी-मोटी चोरी करना या किसी वस्तु को छिपाना, झपटना जैसी हरकतें कर बैठते हैं। इन हरकतों के दुष्परिणाम बारे बच्चों को समझाएं और इनसे दूर रहने की समझाइश दें।
- बच्चे हर माता-पिता को समान रूप से प्रिय होते हैं। अत: उनकी गलत जिद के अगे कभी मत झुकें। प्यार से समझाने की कोशिश करें।
- पति-पत्नि में से यदि कोई एक बच्चे को डांटता है तो दूसरा उसे प्यार से न पुचकारे क्योंकि इससे बच्चा सही और गलत में अंतर नहीं कर पाता। पेरैंट्स को चाहिए कि वे अपने व्यवहार को संतुलित रखें।
- यदि आपको लगे कि छोटी-छोटी बातों पर आपका बच्चा चिड़चिड़ होने लगा है तो कारणों को जानने की कोशिश करें। उसे उसकी रूचियों में ढालने की कोशिश करें।
- छोटे बच्चों में भी आत्मसम्मान की भावना होती है। उसे किसी भी दोस्त या मेहमान के सामने न डांटें। उस पर विश्वास रखें और खूब प्यार करें। छोटी-छोटी बातों पर उसकी राय लें।
- बच्चों के लिए समय निकालों। उनको पिकनिक पर ले जाएं, घुमाएं-फिराएं। उनके स्कूल से उनकी पढ़ाई की पूरी जानकारी लें व पेरैंट्स-टीचर मीटिंग अवश्य अटैंच करें।
- अगर आपका बच्चा जिद्दी है तो आप उसकी टीचर को इस व्यवहार से अवश्य अवगत कराएं क्योंकि अपने तरीके से कुछ हद तक टीचर्स भी बच्चों में यह आदत समाप्त कराने में सहायक हो सकते हैं।
- यदि बच्चा बहुत ज्यादा जिद करे तो कुछ समय के लिए उसे अकेला छोड़ दें। जब वह देखेगा कि उसे कोई भाव नहीं दे रहा तो वह स्वयं चुप कर जाएगा।

अपनी पीठ को बनाएं आकर्षक

बैकलैस व डीप नैक के फैशन के दौर में सबसे जरूरी है आपकी पीठ का साफ व सैक्सी होना। अगर आपकी पीठ की त्वचा साफ है तो बेशक आपकी रंगत सांवली ही क्यों न हो, आप बैकलैस में आकर्षक नजर आएंगी।

हम अक्सर अपने चेहरे के निखार के लिए तो प्रयासरत रहते हैं और नित नए सौंदर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग चेहरे पर करते हैं। चेहरे की तरह शरीर की सम्पूर्ण त्वचा को देखभाल की आवश्यकता होती है। आइए जानें कैसे आप अपनी पीठ की देखभाल कर उसे आकर्षक बना सकती हैं-

- पीठ की सही तरह से क्लींजिंग करें। अगर आपके हाथ पीठ पर सही तरह से नहीं पहुंचते तो बाथब्रश का प्रयोग करें। सप्ताह में दो-तीन बार माइश्चराजर भी लगाएं ताकि वहां की त्वचा की नमी बनी रहे। हर 15 दिन पश्चात ब्यूटी पार्लर जाकर पीठ की मसाज कराएं। घर पर भी आप किसी की सहायता ले मसाज कर सकती हैं।
- अगर आप धूम में बाहर जा रही हैं और लोओर नैक पहना हुआ है तो बाहर जाने के कम से कम 20-25 मिनट पूर्व कोई सन ब्लॉक लगाएं। अगर आपको सन एलर्जी हैं तो टाइटेनियम डाईआक्साइड युक्त सन ब्लैक का प्रयोग करें।
- पीठ की मृत त्वचा को हटाने के लिए सप्ताह में एक बार पीठ की त्वचा पर सक्रब का प्रयोग करें जिससे मृत सैल हटें व त्वचा सांस ले सके।
- अगर आपकी पीठ की त्वचा पर बाल हैं तो आप ब्लीच या वैक्स करें। इसके लिए आप लेजर हेयर रिमूवर भी करा सकती हैं पर यह थोड़ी महंगी तकनीक है।
- स्लिम व छरहरी दिखना अच्छी बात है पर अगर आप इसके लिए वसा रहित भोजन ले रही हैं तो इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ नजर आएगा। आपकी त्वचा रूखी व चमकहीन नजर आएगी इसलिए आवश्यक मात्रा में वसा का सेवन अवश्य करें।
- अगर आपकी त्वचा एक्ने की शिकार है तो सोडियम युक्त भारी भोजन का सेवन न करें। अधिक तैलीय खाद्य पदार्थ भी न खाएं। प्रोफैशनल ट्रीटमैंट की सहायता से आप एक्ने से छुटकारा पा सकती हैं।

ब्यूटी टिप्स

- यदि आप एक डैस्क जॉब करती हैं। प्रतिदिन एस.पी.एफ. 15 युक्त सनस्क्रीन ही लगाएं। यदि आप फील्ड जॉब करती हैं तो 25 एस.पी.एफ. वाली सनस्क्रीन लगाएं।
- धूप के कारण त्वचा में झुरियां पड़ सकती हैं, त्वचा लटक सकती है और यदि ध्यान न रखा जाए तो इसमें धब्बे पड़ सकते हैं। हो सके तो अपने साथ एक छाता लेकर चलें।
- हरी चाय अपनी एंटी एर्जिग गुणों के लिए प्रसिद्ध है। प्रतिदिन बिना चीनी वाली हरी चाय के दो कप पीएं।

इडली पिज्जा

कप सूजी, 1/2 कप दही, स्वादानुसार नमक और 1 छोटा पैकेट फ्रूट सॉल्ट।

सामग्री सजाव के लिए : 1 बड़ा कटा प्याज, 1बड़ी शिमला मिर्च बारीक कटी, 1/2 कप कॉर्न उबले हुए, थोड़ा-सा पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1/2 छोटा चम्मच चिली फ्लैक्स, 2 बड़े चम्मच टोमैटी कैचअप और 2 छोटे चम्मच चिली गार्लिक सॉस।

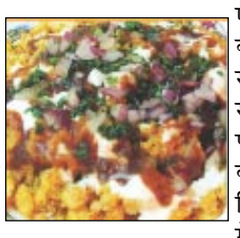

सूजी में नमक व दही मिलाकर भली प्रकार फेंट लें। इडली मेकर के सांचे में थोड़ा-सा तेल का हाथ लगाकर इडली के मिश्रण में फ्रूट सॉल्ट मिलाकर एक-एक चम्मच डाल कर इडली तैयार कर लें। इडली ठंडी होने पर इनको थोड़ा-सा ऊपर से समतल कर लें। इडली के समतल हिस्से पर सॉस लगाकर चिली फ्लैक्स, चिली सॉस, कटी सब्जियां. कॉर्न व पनीर डालकर सर्व करें। इसे आप 200 डिग्री सैल्सियस पर 2 से 3 मिनट तक अवन में भी बेक कर सकती हैं।

योग पैथी द्वारा पाएं वीरों-सी वीरता

वीर भद्रासन करने से आप न केवल वीरों-सी वीरता, बल एवं शक्ति प्राप्त करेंगे बल्कि यह आसन आपको एक अच्छा, सही आकार प्रदान करने के साथ-साथ आपकी मांसपेशियांभी विकसित करने में सहायक होता है।

विधि :- अपने दोनों पैरों में लगभग तीन फुट का फासला बनाकर खड़े हो जाएं। सांस को दोनों फेफड़ों में भरते हुए अपने दोनों बाजू फैलाएं। फिर सांस को अंदर ही रोकते हुए कुम्भक लगाकर दाहिनी टांग को घुटने से मोड़ते हुए नीचे जमीन की तरफ झुकें। ध्यान रहे कि दाहिना पैर बाहर की दिशा में हो और झुकते समय घटना पैर के पंजों की सीध में हो। सीना तानते हुए इस स्थिति में तक बने रहें जब तक सांस रोक सकें। फिर सांस को छोड़ते हुए वापस साधारण स्थिति में खड़े हो जाएं। फिर ऐसा ही दूसरी तरफ दोहराएं और एक बार से दोहराते हुए तीन-तीन बार तक धीरे-धीरे इस अभ्यास को दोहराया जा सकता है।

लाभ :- 1. मेरूदंड को मजबूत करने में और मणकों को अपनी जगह बनाए रखने के लिए यह आसन अति उत्तम है।

2. cervical points को लचीला बनाने में मदद करता है।

3. पूरे शरीर में खिंचाव आने से जबरदस्त ऊर्जा प्रदान करता है।

4. टांगों और कूल्हों में खिंचाव आने से उनको सही आकार मिलता है और घुटनों का टेढ़ापन दूर करता हुआ चाल को सीधा करने में मदद करता है।

5. मन की एकाग्रता बढ़ाता है और वीरों जैसी वीरता प्रदान करता है।

खासकर :- यह आसन सीना अलग-सी ढृढ़ता पाएंगे।

सावधानियां :- उच्च रक्तचाप और दिल के रोगियों के लिए यह आसन वर्जित है। फिर भी कोई योग आसन तथा व्यायाम करने से पहले अपने डाक्टर की सलाह अवश्य लें।

नोट : वीरभद्रासन जहां शरीर को हष्ट-पुष्ट और तरोताजा करता है, वहीं शरीर की एक-एक muscle को भी मजबूती प्रदान करता है और ध्यान रहे इस आसन को दूसरी बार दोहराने से पहले एक बार सांस को सामान्य जरूर करें।

हेल्थ प्लस

सैलुलर फोन और कैंसर

सैल फोम रेडिएशन से कैंसर के पैदा होने में सहायक होने संबंधी लोगों में काफी चिंता पाई जाती है। चूंकि हमारा सिर सैल फोन्स से निकलने वाली उच्च स्तर की रेडियो फ्रीक्वैंसी रेडिएशन प्राप्त करता है इसलिए इस प्रेत्र में अत्यंत सघन शोध हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों में सैलुलर टैलीफोन इंडस्ट्री में बेतहाशा वृद्धि हुई है। आज पूरे विश्व में सैल फोन इस्तेमाल करनेवालों की संख्या अनुमानत : 3.5 बिलियन हो चुकी है जो विश्व की आधी आबादी है। इतनी बड़ी आबादी द्वारा सैल फोन के प्रयोग से उनके स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ते हैं। सैलफोन के प्रयोग और कैंसर का संबंध काफी समय से एक संदेह के रूप में मौजूद है और इस विषय पर विभिन्न मत प्रस्तुत किए जाते रहे हैं। सैल फोन्स की बेसिक फिजिक्स और कार्यप्रणाली से वाकिफ होना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

सैल फोन्स ट्रांसमिशन टॉवर्स के माध्यम से रेडियो फ्रीक्वैंसी वेव्स उत्सर्जित करते हैं और वापस प्राप्त भी करते हैं। अधिकांशत : सैलुलर हैंड सैट्स में जी.एस.एम. प्रोटोकोल (ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबोइल्स) का प्रयोग होता है जिसके बाद नंबर आता है सी.डी.एम.ए. प्रोटोकोल (कोड डिवीजन मल्टीपल एकसैस) का। सैल फोन्स को आगे एनालॉग तथा डिजिजल में विभाजित किया जाता है। एनालॉग फोन्स जब ट्रांजिट पर होते हैं तो इसमें से अधिकतर डाटा नष्ट हो जाता हैं। इस कारण ये डिजिटल फोन्स की तुलना में अधिक शक्तिशाली सिग्रल्स उत्सर्जित और प्राप्त करते हैं।

इस प्रकार सिग्नल और प्राप्त करने से एक इलैक्ट्रो मैग्नैटिक फील्ड तैयार होता है जिसे मानवीय टिश्यूज जज्ब कर लेते हैं। इस फील्ड को स्पैसिफिक एब्जॉपर्शन रोशो (एस.ए.आर.) द्वारा मापा जाता है। द इंटरनैशनल कमिशन ऑन नॉन आयोनाइजिंग रेडिएशन प्रोटैक्शन (आई.सी.एन.आई.आर.पी.) सैल फोन यूजर्स के लिए 2 वाट प्रति किलोग्राम से नीचे के एस.ए.आर. की सलाह देता है।

सैल फोन रेडिएशन से कैंसर के पैदा होने में सहायक होने संबंधी लोगों में काफी चिंता पाई जाती है। चूंकि हमारा सिर सैल फोन्स से निकलने वाली उच्च स्तर की रेडियो फ्रीक्वैंसी रेडिएशन प्राप्त करता है इसलिए इस क्षेत्र में अत्यंत सघन शोध हुआ है। एस्ट्रोसाइटोमास (astrocytomas), ग्लियोमास (gliomas) तथा एकॉस्टिक, न्यूरोमास, (Acoustic neuromas) जैसे कई ट्यूमर्स का संबंध सैल फोन्स से है, ऐसा कई शोधों में सामने आया है। हालांकि इस क्षेत्र में हुई शोधों में काफी कमियां हैं जैसे कि रिकॉल बायस (recale bias) इनएक्युरेट रेडिएशन डोज क्वांटिफिकेशन, सिलैक्शन बायस इत्यादि। जानवरों पर किए गए अध्ययनों में नॉन थर्मल रेंज और कैंसर में किसी प्रकार का सीधा संबंध नहीं पाया गया।

जहां तक मनुष्यों पर किए गए अध्ययनों का संबंध है कुछ ऐसे कारक सामने आए हैं जिनसे पता चलता है कि एनालॉग या कॉर्डलैस फोन्स के प्रयोग से कैंसर विकसित होने का खतरा सम्भव हद तक रहता है। युवाओं तथा बच्चों द्वारा सैल फोन्स के अत्यधिक प्रयोग से ऐसे खतरे की संभावना अधिक होती है। हालांकि इस आयु वर्ग पर पड़ते सैल फोन्स के प्रयोग के प्रभाव अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं।

बुद्धिमता इस बात में है कि इस प्रकार की प्रैक्टिसेज से बचा जाए। इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि ऐसा कोई स्पष्ट, दीर्घकालिक सामूहिक अध्ययन अभी तक नहीं हुआ है जिसमें यह प्रमाणित हुआ हो कि सैल फोन रेडिएशन कैंसर के पैदा होने में कारक की भूमिका निभाती है।

नेत्र ज्योति बेहतर बनाएं

संतान की नेत्र रक्षा के उपाय गर्भधारण के पश्चात ही शुरू कर देनी चाहिए। माता को सात्विक आहार-विहार की योजना बना कर लाल मिर्च, नींबू, खटाई, तेज गर्मी, तेज प्रकाश, अधिक गर्म खान-पान, मदिरा, गर्म मसाले, अधिक दस्तावर पदार्थ, वनस्पति घी, सोंठ, गुड़, अचार, शरीर में अधिक गर्मी बढ़ाने वाली औषधियों का त्याग कर देना चाहिए।

गर्भवती महिला को उदरस्थ बालक व अपने नेत्रों की रक्षा के लिए असली घी, दूध, दही, सरसों का तेल, सूरजमुखी का तेल, भीगे बादाम, ककड़ी, खरबूजा, तरबूज, काशीफल के बीज आदि का सेवन थोड़ी-थोड़ी मात्रा में करते रहना चाहिए।

गोला गरी, सूखे बादाम, नारियल पानी, मौसम्मी, चिरौंजी आदि के साथ ही मुनक्का, मीठी किशमिश, संतरा, अनार, अमरूद, मेवा, अंगूर आदि का सेवन अच्छी मात्रा में करना चाहिए। खजूर, छुहारे का सेवन थोड़ी मात्रा में करना चाहिए। जब शिशु जन्म ले ले तो उसके पश्चात भी माता को शुद्ध घी, उत्तम गुड़, मिश्री आदि का अल्प मात्रा में सेवन करना चाहिए।

जब तक माता अपने शिशु को दूध पिलाती है, दूध ही शिशु का मुख्य आहार होता है। इन दिनों में मां को नेत्र हितकारी वस्तुओं का सेवन करते रहना चाहिए। काली मिर्च, शुद्ध घी, गाय का दूध, गेहूं का दलियास मूंग-मसूर की दाल आदि का सेवन नियमित रूप से करते रहना चाहिए। खटाई का त्याग कर देना चाहिए।

छोटे बच्चों को सूर्य, बिजली, गैस आदि के तीव्र प्रकाश के सामने नहीं बैठने देना चाहिए क्योंकि उनकी कोमल आंखें प्रकाश की चमक से निर्बल हो जाती हैं। दृष्टिक्षय का खतरा बना रहता है। सभी प्रकार के धुएं, धूल, आंधी आदि से भी नेत्रों को निर्बलता और दृष्टि-दोष का सामना करना पड़ता है। प्रात:काल ठंडे जल से बारी-बारी से दोनों आंखों में छींटें मारने चाहिएं। प्रातिदिन सुबह-दोपहर एवं रात्रि को भोजन एवं नाश्ते के बाद हाथों को धोकर हथेलियों को घिस कर लगभग 20-25 बार तक आंखों पर स्पर्श करते रहने से आंखों के रोग उत्पन्न नहीं होते। इससे अंधत्व की आशंका मिच जाती है।

गर्मी के मौसम में कैसा हो आहार....

गर्मी के मौसम में अपने आहार पर इसलिए भी ध्यान देना जरूरी है क्योंकि इन दिनों प्यास अधिक लगती है। पेट जल्दी खराब होता है। शरीर में पानी तथा लवणों का संतुलन बिगड़ जाता है तथा इनरी कमी हो जाती है। अत: सावधानी जरूरी है।

- डीहाइड्रेशन भी न हो, पानी तथा लवणों की कमी न होने पाए इसलिए नींबू पानी, नारियल पानी, विभिन्न प्रकार की ठंडाई या शर्बत लेने की सलाह दी जाती है। काला नमक भी नींबू पानी में मिलाने से अधिक लाभ होता है।
- फलों से बना शर्बत, अनार से निकाला जूस तथा चुने हुए अनार का पना प्रयोग कर सकते हैं।
- गर्मी कम करनो तथा पाचन शक्ति बढ़ाने के लिए धनिया, प्याज, पुदीना आदि की चटनी जरूर बनानी व खानी चाहिए।
- प्याज लहसुन, करेला, कद्दू आदि का सेवन बढ़िया रहेगा।
- इन दिनों घीस तले पदार्थ कम से कम सेवन करें।
- कुछ लोग गर्मी में इमली इसलिए नहीं लेते क्योंकि यह खट्टी होती है या फिर सस्ती नहीं है किन्तु इसको घोल कर जरूर प्रयोग करें।
- गर्मी के भोजन में सलाद, खीरा, ककड़ी, बैंगन, अरहर व मूंग की दाल खाएं। शरीर को शांति मिलेगी।
- गर्मी का मौसम है न। शरीर की व्याकुलता कम करने के लिए दही, दही की लस्सी, ठंडा दूध दूध की लस्सी का सेवन करें।
- लू तथा गर्मी से बचने के लिए खरबूजा, तरबूज का रस, आलूबुखारा, अनारदाना, टमाटर आदि का खूब प्रयोग करें।
- लू तथा गर्मी से बचने के लिए पानी पीकर ही घर से निकला करें।
- फ्रिज आदि के पानी की बजाय घड़े का पानी पीने की आदत बनाएं।
- इस मौसम में सत्तू-जौ का शर्बत पीना बहुत उत्तम रहता है।
- सफाई से तैयार किया गन्ने का रस पीना ठीक है।
- कांजी, जिसे काली गाजरों से बनाते हैं, मौसम का विशेष पेय है।
- ऐसी खान-पान की गलती न करें, जिससे दस्त, पेचिश, हैजा हो। शराब, धूम्रपान, भारी भोजन, घी-तेल युक्त आहार से पूरी तरह बचें।
- गर्मी में विशेष रूप से अंडा, मीट, मछली, कॉफी, चाय आदि से बचें।
- गर्मी में बाहर निकलते समय छाता, धूप की काली ऐनक आदि का प्रयोग करें।

क्रिमिनल केस के अलावा ट्रम्प पर 19 और मामले:पूर्व प्रेसिडेंट पर हिंसा, चुनाव में धांधली और रेप-मानहानि जैसे आरोप; सजा एक में भी नहीं

30 मार्च 2023, न्यूयॉर्क के मैनहैटन कोर्ट ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस चलाने की घोषणा की। 4 अप्रैल को मैनहैटन की कोर्ट ने पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और आर्थिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस में 34 आरोप लगाए गए। ट्रम्प ने कोर्ट में कहा कि वो दोषी नहीं हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी। अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मामला चलाया जा रहा है। ट्रम्प पर यह केस 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अफेयर और उन्हें चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप में चलेगा।

बड़ी बात ये है कि ट्रम्प पर ये इकलौता केस नहीं है। उन पर कुल 19 केस चल रहे हैं। इनमें से आधे मामलों में उन पर राष्ट्रपति रहते हुए गलत आचरण के आरोप हैं। ट्रम्प पर चल रहे ज्यादातर केस 3 मामलों से जुड़े हुए हैं। पहला वित्तीय गड़बड़ी जिससे उन्होंने ज्यादा पैसे कमाए। दूसरा 6 जनवरी 2021 को संसद में हुई हिंसा में ट्रम्प की भूमिका। तीसरा केस है 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में दखलअंदाजी की कोशिश।

हालांकि पूर्व राष्ट्रपति ने सभी मामलों को खारिज किया है। कुछ मामलों को बंद करने के लिए ट्रम्प ने याचिका भी लगा रखी है और कुछ में उन्होंने काउंटर केस दायर किया है।

डोनाल्ड ट्रम्प और पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स की मुलाकात पहली बार 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई थी। तब ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है।

अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प ने उन्हें पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था। आरोप है कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

ट्रम्प के वकील माइकल कोहेन ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पॉर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इस पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वॉलस्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया और कोर्ट में उन पर 34 आरोप लगाए गए।

अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए।

वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद ट्रम्प पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था।

18 महीने तक मामले की जांच चली। पिछले साल दिसंबर में जांच कमेटी ने एक 845 पेज की रिपोर्ट तैयार की। इसमें ट्रम्प को दोषी ठहराया गया। उनके खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने की सिफारिश की गई। इसके लिए 1000 चश्मदीदों के बयान दर्ज किए गए थे।

क्या चार्जशीट से बढ़ेगी ट्रंप की ताकत

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी इतिहास में पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिनके खिलाफ कोर्ट ने आपराधिक मामले में अभियोग तय किया है। हालांकि, ट्रंप के लिए कोर्ट-कचहरी और कानूनी विवाद नए नहीं हैं, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है, जब वह 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान और चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं।

क्या हैं आरोप

ऐसे में, पूरे अमेरिका की निगाहें आज न्यू यॉर्क के मैनहटन कोर्ट और उससे बाहर राजनीतिक मैदान में होने वाले ड्रामे की ओर होंगी, जहां ट्रंप एक अभियुक्त की तरह पेश होंगे। उनका फिंगरप्रिंट और किसी सामान्य अभियुक्त की तरह मग-शॉट तस्वीर ली जाएगी और कोर्ट में अभियोग पेश किया जाएगा। इसके बाद ही ठीक-ठीक पता चलेगा कि ट्रंप के खिलाफ किन आधारों पर आपराधिक मुकदमा चलेगा।

-मैनहटन कोर्ट की ग्रैंड जूरी ने उनके खिलाफ उस मामले में अभियोग तय करने का फैसला किया है, जिसमें उन पर 2016 के राष्ट्रपति चुनावों से ठीक पहले पॉर्न फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को अपने वकील माइकल कोहेन के जरिए 1.3 लाख डॉलर देने का आरोप है ताकि वह ट्रंप के साथ अपने गैर-वैवाहिक सेक्स संबंधों के बारे में मुंह बंद रखें।

-इस मामले में ट्रंप के पूर्व वकील कोहेन यह कहते हुए आरोप स्वीकार कर चुके हैं कि उन्होंने स्टॉर्मी डेनियल्स को ट्रंप के कहने पर पैसा दिया था।

क्या होगा असर

कहने की जरूरत नहीं कि किसी और नेता के लिए ये आरोप बड़ी शर्मिंदगी की वजह होते और उसका राजनीतिक करियर भी खतरे में पड़ जाता, लेकिन ट्रंप का कारोबारी और अब राजनीतिक जीवन ऐसे आरोपों और विवादों के बीच ही फलता-फूलता और परवान चढ़ता रहा है।

-आमतौर पर राष्ट्रपति चुनाव में हारने या गंभीर आपराधिक आरोपों में फंसने के बाद ज्यादातर नेता राजनीतिक बियाबान में चले जाते हैं, लेकिन ट्रंप पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा है।

-यह और बात है कि ट्रंप अक्सर गलत कारणों, खासकर उलटे-सीधे बयानों, आपराधिक आरोपों और व्यक्तिगत विवादों की वजह से सुर्खियों में रहते हैं, लेकिन यह उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है।

ट्रंप के लिए कोर्ट-कचहरी और कानूनी विवाद नए नहीं हैं, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है, जब वह 2024 में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनावों के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान और चुनाव प्रचार शुरू कर चुके हैं।

-असल में, ट्रंप अपने धुर दक्षिणपंथी-अनुदार श्वेत पुरुष समर्थकों के बीच खुद को एक ऐसे दबंग, लेकिन 'भ्रष्ट, षड्यंत्रकारी और श्वेत विरोधी' उदारवादी सत्ता प्रतिष्ठान के 'सताए हुए' नेता की तरह पेश करते हैं, जिसके लिए वह बाहरी हैं और जो उन्हें काम नहीं करने देना चाहता है।

-ट्रंप का आरोप रहा है कि यह उदारवादी और डेमोक्रेटिक पार्टी समर्थक सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें 'राजनीतिक प्रतिशोध के कारण झूठे मामलों में फंसाने' की कोशिश करता रहता है क्योंकि वह इसकी इच्छा के खिलाफ 'अमेरिका को फिर से महान बनाने' के अभियान में जी-जान से जुटे हुए हैं।

-एक चालाक और सफल सेल्समैन की तरह ट्रंप इस 'नैरेटिव' को उस अमेरिकी बहुसंख्यक श्वेत आबादी के बड़े हिस्से को बेचने में कामयाब हुए हैं, जो पिछले कई सालों से आधे सच्चे-आधे झूठे कारणों से खुद को इस सत्ता प्रतिष्ठान से पीड़ित और छला हुआ महसूस कर रही है।

-इस बहुसंख्यक श्वेत आबादी का एक बड़ा हिस्सा वह कम पढ़ा-लिखा वर्किंग क्लास है, जिसे सस्ते श्रम की तलाश में उद्योगों खासकर मैन्युफैक्चरिंग के चीन और दूसरे देशों में चले जाने के कारण नौकरियां गंवानी पड़ीं। दूसरी ओर, उच्च तकनीक से जुड़े उद्योगों और सेवा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रवासी पेशेवरों के आने से इस वर्किंग क्लास को लगता है कि उसे अपने ही देश में किनारे किया जा रहा है।

-इसके साथ, ट्रंप उन सच्ची-झूठी और मिथकीय लेकिन खतरनाक 'कॉन्स्पिरेसी थियरी' को हवा देते रहते हैं, जो इस नैरेटिव को आगे बढ़ाती है कि कथित उदारवादी सत्ता प्रतिष्ठान बड़ी अमेरिकी आबादी खासकर श्वेतों की कीमत पर जॉर्ज सोरोस जैसे मुट्ठी भर सुपर अमीरों और ग्लोबल इलीट के हितों के लिए काम करता है।

दो ध्रुवों में बंटा समाज

इस जहरीले प्रचार अभियान का नतीजा यह हुआ है कि आज अमेरिकी समाज न सिर्फ आधे-आधे में बंट गया है बल्कि जबरदस्त रूप से ध्रुवीकृत है। उसमें नस्लीय और सांस्कृतिक विभेद लगातार गहरे हुए हैं। आपसी अविश्वास और डर बढ़ा है। धुर दक्षिणपंथी श्वेत श्रेष्ठतावादी समूहों की उग्रता बढ़ी है। सैन्य मिलिशिया से लेकर क्यू अनॉन जैसे कॉन्स्पिरेसी थियरी के प्रचारकों ने राजनीतिक विमर्श को जहरीला बना दिया है। इनकी एक थियरी है 'ग्रेट रिप्लेसमेंट थियरी' यानी अमेरिकी आबादी में श्वेतों की जनसंख्या घटती हुई जल्दी ही अल्पसंख्यक हो जाएगी। जाहिर है, इस माहौल में उलटे-सीधे, भड़काऊ और जहरीले आरोप-प्रत्यारोपों के आगे तथ्य, तर्क और विवेक के लिए बहुत कम जगह रह गई है।

ट्रंप को इस विभाजन और राजनीतिक ध्रुवीकरण का फायदा मिल रहा है। वह अपने धुर दक्षिणपंथी श्वेत समर्थकों को यह समझाने में कामयाब हैं कि सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत फर्जी मामलों में फंसा रहा है। उन्होंने यह नैरेटिव पिछले राष्ट्रपति चुनावों में हार के बाद से बना रखा है। इसमें कोई शक नहीं कि वह न्यू यॉर्क की मैनहटन कोर्ट में पेशी और अभियोग लगाए जाने को भी डेमोक्रेट्स और 'भ्रष्ट' सत्ता प्रतिष्ठान के 'षडयंत्र' के रूप में पेश करके राजनीतिक सहानुभूति बटोरने, अपने कट्टर समर्थकों को सक्रिय करने और इस तरह रिपब्लिकन पार्टी में अपने विरोधियों को मात देने की कोशिश करेंगे।

लोकप्रियता बढ़ी

ताजा ओपिनियन पोल्स के रुझानों मुताबिक, ट्रंप रिपब्लिकन पार्टी में अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों से काफी आगे हो गए हैं। ट्रंप समर्थकों के मुताबिक, मैनहटन कोर्ट की ग्रैंड जूरी के फैसले के बाद 6 गवर्नर, 26 सीनेटर, 63 कांग्रेस सदस्य और स्पीकर केविन मैकार्थी ट्रंप के साथ खड़े हैं। दूसरी ओर, ट्रंप के चुनाव फंड में 24 घंटों से भी कम समय में 40 लाख डॉलर से ज्यादा का डोनेशन आ चुका है। साफहै कि ट्रंप कानूनी दावपेंच के खतरों को जानते हुए भी इसे अपनी राजनीतिक वापसी के एक मौके की तरह देख रहे हैं।

दैनिक पंचांग

06 अप्रैल 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.17 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	07.57 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	09.55 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	12.09 बजे से
गुरु	मीन में	सिंह	14.25 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.37 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.47 बजे से
राहु	मेष में	वृश्चिक	21.02 ब.से
केतु	तुला में	धनु	23.18 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मकर	01.23 बजे से
		कुंभ	03.10 बजे से
		मीन	04.43 बजे से

गुरुवार 2023 वर्ष का 96 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1945 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 10.05 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 12.42 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 02.31 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बव 10.05 बजे तदनन्तर बालव 22.16 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 16' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871575 **जूलियन दिन** 2460040.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2549 **हिजरी सन्** 1444 **महीना** रमजान **तारीख** 14 **विशेष** हनुमान जयंती, चैत्र पूर्णिमा, धरती पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 06 अप्रैल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

मार्ग-दर्शन

मनुष्य को पतनशील बनाता है अहंकार

एक गांव में कान्हा नाम का बौना युवक रहता था। वह अत्यंत बुद्धिमान और धनुर्धर था। एक दिन उसके मित्र ने उसे राजा से नौकरी मांगने का सुझाव दिया। कान्हा अपना धनुष-बाण लेकर चल पड़ा। रास्ते में लोगों ने उसे सलाह दी कि वह किसी ऐसे आदमी को सहायक बना ले, जो कद में लंबा व शरीर से बलिष्ठ हो। कान्हा को शीघ्र ही पर्वत सिंह नाम का ऐसा आदमी मिल भी गया। उसने कान्हा का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। राज दरबार में पहुंचकर पर्वत सिंह ने अपना परिचय धनुर्धर और कान्हा का परिचय सहायक के रूप में दिया। राजा ने उसे सेना में रख लिया। थोड़े दिनों बाद पर्वत सिंह के मन में अहंकार पैदा हो गया और उसने कान्हा को घर से निकाल दिया। थोड़े दिनों बाद पड़ोसी राजा ने आक्रमण किया, किंतु युद्ध नहीं हुआ। दोनों राजाओं ने अपनी-अपनी ओर से केवल एक-एक वीर को लड़ाने का निश्चय किया और यह तय किया कि जिस पक्ष का वीर पराजित होगा, उसके राज्य पर विजेता का अधिकार हो जाएगा। इस राजा ने पर्वत सिंह को अपनी ओर से नियुक्त किया। अब पर्वत सिंह के होश उड़ गए। उसने कान्हा से उसे युद्ध में जिताने की याचना की, जिसे कान्हा ने मान लिया। युद्ध में हाथी पर आगे पर्वत सिंह और पीछे कान्हा बैठा, किंतु शत्रु राजा द्वारा भेजे गए योद्धा का डीलडौल देखकर पर्वत सिंह घबराकर भाग गया। तब कान्हा ने मोर्चा संभाला और शत्रु योद्धा को हराया। कथा का मर्म यह है कि धन और मान पाकर दूसरों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। गर्व का मद मनुष्य को पतनशील बनाता है। किसी भी दशा में सज्जनता का दामन नहीं छोड़ना चाहिए।

जीने की राह

अपने जीवन को संदेहों से मुक्त बनाए रखे

इस जीवन में आगे बढ़ने के लिए हमें खुद पर भरोसा होना चाहिए। जिसे अपने पर भरोसा नहीं, वह किसी दूसरे पर कैसे विश्वास करेगा? ऐसे व्यक्ति का जीवन संदेहों से बोझिल हो जाएगा। उसका एक पूर्ण, सुसंबद्ध, एकीकृत और स्वस्थ व्यक्तित्व के रूप में विकास नहीं हो पाएगा। इसी वजह से जीवन में ऐसा मार्ग अपनाया जाना चाहिए, जिसमें कोई संदेह न रहे। संदेहों से मुक्त रखने के लिए दिल और दिमाग, मन और मस्तिष्क को साफ और पवित्र रखना आवश्यक है। इस शुद्धता और पवित्रता को प्राप्त करने के लिए आपको अपनी दृष्टि को, वाणी को, संपूर्ण इंद्रियों को अपने नियंत्रण में रखना होगा तथा जीवन में सदैव संयम बरतना होगा। जब आप कोई बुरा काम कर डालते हैं तो उसके पूर्व कुछ न कुछ ऐसा कृत्य अवश्य होता है, जिसमें आपकी आंखों ने कुछ बुरा देखा हो, कुछ बुरे शब्द सुने हों, जिसकी वजह से आपका मन उत्तेजित हो गया हो, या कुछ ऐसा अनुभव किया हो, जिसके कारण आप अपने मन का संतुलन खो बैठे हों। इस प्रकार व्यक्ति जीवन भर उलझनपूर्ण परिस्थितियों में घिरा रहता है। यदि हम इस बात को लेकर सजग रहें कि हम न बुरा देखेंगे, न बुरा सुनेंगे और न बुरा बोलेंगे तो अपने मन और विचारों को, दिल और दिमाग को शुद्ध व पवित्र बना सकते हैं। हमारे मन की क्रिया-प्रतिक्रिया हमारी ज्ञानेंद्रियों के किसी घटना, कार्य या विचार से हुए संपर्क पर निर्भर करती है। इसके फलस्वरूप हमारे विचारों में जो खराबी आती है, वह बेहद खतरनाक होती है।

दोस्ती वाला रिश्ता

निदा साहब कह चुके हैं, 'मैले हो जाते हैं रिश्ते भी लिबासों की तरह/ दोस्ती हर दिन की मेहनत है, चलो यूं ही सही।' बात सही भी है, लिबासों की तरह रिश्ते भी तभी तक अच्छे लगते हैं, जब तक उनमें चमक बनी रहती है। दूसरे शब्दों में, जब तक रिश्ते में दोस्ती बनी रहती है। इसी दोस्ती को बनाए रखने के लिए हर दिन की मेहनत जरूरी होती है। रोज झाड़-पोंछ न करें तो रिश्ता समाप्त नहीं होता, लेकिन उसके अंदर की दोस्ती कुम्हलाने लगती है।

मगर मैं यहां बात रिश्तों के अंदर वाली दोस्ती की नहीं, दोस्ती वाले रिश्ते की करना चाहता हूं। निदा साहब तो अब हैं नहीं, वरना उन्हीं से पूछता कि जो दोस्ती का रिश्ता होता है उसमें भला मेहनत की क्या दरकार! वह तो खुद पूरी की पूरी दोस्ती है। अब नदी है, तो हम आप जब चाहें नदी में डुबकी लगाकर तरो-ताजा हो लेते हैं। पर नदी कहां जाए स्नान करके तरो-ताजा होने! यह न कहिए कि सागर से मिल ले जाकर। सागर से तो वह मिलती ही है एक दिन, लेकिन बशीर बद्र साहब फरमा चुके हैं कि 'जहां दरिया समंदर से मिला, दरिया नहीं रहता।' तो हमें या किसी को भी ऐसा स्नान थोड़े ही चाहिए कि हम, हम रह ही न जाएं। बहरहाल, असल सवाल अपनी जगह बरकरार है कि दोस्ती को ताजगी की जरूरत पड़े तो वह क्या करे। साफ-साफ कहूं तो किसी पुराने दोस्त के साथ रिश्ता मरने लगे तो क्या तरीका है उसे बचाने का। सवाल फिर वही है कि आखिर ऐसी नौबत आए ही क्यों? दोस्ती अगर सच्ची है तो गिले-शिकवों के लिए ज्यादा गुंजाइश यूं ही नहीं रहती। 'तुम इतने दिनों से नहीं मिले' 'तुमने मुझसे फलां बात शेयर नहीं की', जैसी शिकायतें बॉयफ्रेंड-गर्लफ्रेंड के बीच भले मसला बने, दोस्ती की सार्थकता ही इस बात में है कि वह इन शिकायतों से ऊपर उठी हुई होती है। आप जानते हैं कि बात बड़ी होगी तो वह शेयर किए बिना नहीं रहेगा। यह आपकी नहीं, उसकी जरूरत है। अगर नहीं शेयर कर रहा तो कोई वजह होगी उसके पीछे। ऐसे ही इतने दिनों से नहीं मिला तो कोई मजबूरी रही होगी। मिलने की उसकी इच्छा को लेकर तो कोई संदेह होता नहीं। कहते हैं, इस नश्वर संसार में कुछ भी अजर-अमर नहीं होता। ऐसे में दोस्ती की भी अमरता का इसके सिवा क्या मतलब हो सकता है कि वह हमारी जिंदगी के साथ ही खत्म हो, उससे पहले नहीं। पर कभी-कभार ऐसा होता है कि जीवन की लौ बुझने से पहले ही दोस्ती में विश्वास का आखिरी सिरा छूट जाता है। कोई आवाज नहीं होती, कोई धमाका नहीं होता, पर तड़प और तकलीफ की पूछिए मत। किसी भी उपाय से हम उसे बचाना चाहते हैं। लेकिन दोस्ती का भी सम्मान शायद इसी में है कि उसे जाने दिया जाए, दो मिनट के मौन के साथ, स्मृतियों के कोष को पूरी हिफाजत से सहेजते हुए।

हर साल लाखों की जान क्यों ले रहा टीबी

टीबी एक ऐसी बीमारी है, जिसने 19वीं सदी में बड़ी संख्या में लोगों की जान ली। अजीब बात है कि आज भी यह संक्रामक बीमारी दुनिया में सबसे अधिक जानें ले रही है। फिर भी इस आपदा की ओर से लोगों ने आंखें बंद कर रखी हैं।

2030 तक के लिए तय किए गए सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स में से ज्यादातर में हम पीछे चल रहे हैं, लेकिन टीबी के मामले में स्थिति कहीं बुरी है। कोरोना महामारी के दौरान जब दुनिया भर में लॉकडाउन लगा तो उससे यह मसला और गंभीर हुआ। इस दौरान कई लोगों में इस बीमारी की पहचान नहीं हो सकी और इसी वजह से उनका इलाज भी नहीं हो पाया। ऐसे में 2030 तक टीबी को लेकर जो लक्ष्य तय किए गए हैं, उसे हासिल करना मुश्किल लग रहा है। वहीं, दूसरे लक्ष्यों को लेकर अभी जो स्थिति है, उसे देखकर लग रहा है कि सभी लक्ष्यों को हासिल करने में 50 साल की देरी होगी।

इसकी असल वजह यह है कि इसके तहत 169 प्राथमिकताएं तय की गई हैं, जो बहुत बड़ी संख्या है। इससे पोषण, शिक्षा और टीबी जैसी चुनिंदा समस्याओं और उनसे जुड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो गया है। इन 169 प्राथमिकताओं में रीसाइक्लिंग, शहरी पार्क और पर्यावरणसम्मत जीवनशैली जैसी चीजें भी शामिल हैं, जबकि ये शिक्षा, टीबी और पोषण जितनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। फिर भी टीबी को लेकर हाल में हुए एक शोध से उम्मीद जगी है। इस शोध के नतीजों को डॉक्टरों के बड़े वर्ग से भी मान्यता मिली है। अगर इन नतीजों पर अमल किया जाए तो टीबी पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। इस शोध का एक संदेश यह भी है कि 2030 तक के लिए डिवेलपमेंट गोल्स की अहम प्राथमिकताओं में इसे शुमार किया जाए।

आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में जितने भी लोग हैं, उनमें से 25 फीसदी में टीबी का बैक्टीरिया है। यहां तक कि यूरोप और अमेरिका जैसे अमीर देशों में भी हर 10वें शख्स में यह कीटाणु है। लेकिन जिन्हें अच्छा और पौष्टिक भोजन मिलता है, उनमें यह रोग का रूप धारण नहीं कर पाता।

हर साल करीब 1 करोड़ लोगों को टीबी होती है। लेकिन संसाधनों की कमी के कारण 2021 में सिर्फ 60 लाख लोगों में ही इस मर्ज की पहचान हो पाई। यह बात इसलिए गंभीर है क्योंकि टीबी के जिन मरीजों का इलाज नहीं होता, उनमें से 50 फीसदी की मौत हो जाती है। और जिन लोगों की मौत नहीं होगी, वे इसे दूसरों में फैलाना जारी रखेंगे। अगर कोई इस रोग से पीड़ित है तो वह साल भर में औसतन 5 से 15 लोगों को संक्रमित कर सकता है।

2021 में जिन 60 लाख टीबी के मरीजों की पहचान हुई और जिनका इलाज चल रहा है, उसमें भी दिक्कतें आ रही हैं। इस मर्ज के इलाज के लिए 6 महीने तक दवाएं लेनी पड़ती हैं, लेकिन इनके कई साइड-इफेक्ट भी होते हैं। साथ ही, इन दवाओं से बुखार और वजन में कमी जैसे टीबी के मुख्य लक्षण कुछ ही हफ्तों में चले जाते हैं, इसलिए कई लोग बीच में ही इलाज बंद कर देते हैं। इससे न सिर्फ बीमारी के दूसरों में फैलने की आशंका बढ़ जाती है बल्कि यह डर भी रहता है कि टीबी के बैक्टीरिया कहीं दवाओं के प्रति प्रतिरोधी क्षमता न हासिल कर लें। ऐसी स्थिति में इलाज डेढ़ से दो साल तक लंबा खिंच जाता है और खर्च भी पहले से अधिक आता है।

टीबी की रोकथाम के लिए हम इससे कहीं अधिक कर सकते हैं। पहले तो अधिक से अधिक लोगों की जांच होनी चाहिए और यह भी पक्का किया जाए कि मरीज दवा का पूरा कोर्स पूरा करें। कोपेनहेगन कंसेंसस की एक नई शोध से पता चला है कि इस काम के लिए और 5 अरब डॉलर सालाना की जरूरत पड़ेगी। 2018 में संयुक्त राष्ट्र ने 2022 तक इस मद में हर साल 6-7 अरब डॉलर खर्च करने का वादा किया था। अफसोस की बात यह है कि 2018 के बाद से इस खर्च में कमी आई है। टीबी के लिए 5 अरब डॉलर की अतिरिक्त मदद से 95 फीसदी लोगों में इस रोग का पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ लोगों को 6 महीने तक दवा का कोर्स पूरा करने के लिए कुछ अतिरिक्त इंसेंटिव दिए जा सकते हैं।

टीबी के इलाज में भारत की प्रगति तारीफ के काबिल है। 2022 की ग्लोबल टीबी रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में इसके मरीजों की संख्या 18 फीसदी कम हुई। वहीं, वैश्विक स्तर पर यह गिरावट 11 फीसदी ही रही। 2022 में भारत में टीबी के

अयान मुखर्जी ने अनाउंस की ब्रह्मास्त्र की रिलीज डेटः ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' का डायरेक्शन भी करेंगे अयान

हाल ही में डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने 'ब्रह्मास्त्र' का सीक्वल 'ब्रह्मास्त्र-2' और 'ब्रह्मास्त्र-3' की रिलीज डेट बताई है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अयान ने बताया कि उनकी अगली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र 2 : देव' और 'ब्रह्मास्त्र 3' दोनों की शूटिंग एक साथ शुरू होगी। 'ब्रह्मास्त्र 2: देव' दिसंबर 2026 और 'ब्रह्मास्त्र 3' दिसंबर 2027 में रिलीज होगी।

अयान ने पोस्ट में लिखा- वक्त आ गया है कि मैं आपको 'ब्रह्मास्त्र ट्राइलॉजी', 'अस्त्रवर्स' और मेरी जिंदगी पर कुछ अपडेट दूं। 'ब्रह्मास्त्र-1' को मिले प्यार और फीडबैक की मदद से मैंने 'ब्रह्मास्त्र' के दोनों पार्ट के लिए अपना विजन सेट किया। मैं जानता हूं कि ये दोनों फिल्में 'ब्रह्मास्त्र' से कहीं ज्यादा बड़ी होंगी। मैंने ये सीख लिया है कि हां, हमें स्क्रिप्ट को परफेक्ट बनाने के लिए थोड़ा और समय देना होगा।

मैंने ये तय किया है कि हम ये दोनों फिल्में एक साथ बनाएंगे और इनकी रिलीज डेट भी आस-पास होंगी। मैं आपसे दोनों फिल्मों की टाइमलाइन भी शेयर कर रहा हूं।

यश राज यूनिवर्स की 'वॉर 2' का डायरेक्शन करेंगे अयान

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अयान ने अपनी पोस्ट में जिस नए प्रोजेक्ट का डायरेक्शन करने की बात कही थी वो फिल्म यश राज के स्पाई यूनिवर्स की 'वॉर 2' है। इस फिल्म में लीड रोल में ऋतिक रोशन नजर आएंगे। 2012 में प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'एक था टाइगर' के साथ स्पाई यूनिवर्स की शुरूआत हुई थी। इसके बाद इस फ्रैंचाइजी में 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर' और 'पठान' का नाम जुड़ गया।

'ब्रह्मास्त्र' के अलावा एक और फिल्म की शूटिंग करेंगे अयान

'ब्रह्मास्त्र' सीरीज के बारे में अपडेट देने के अलावा अयान ने ये भी बताया कि वो जल्द ही एक और फिल्म की शूटिंग करेंगे। उन्होंने लिखा- सिर्फ इतना ही नहीं, मुझे यूनिवर्स से एक और शानदार प्रोजेक्ट मिला है। मैं जल्द ही एक बहुत ही स्पेशल फिल्म को डायरेक्ट करूंगा।

ये फिल्म किस बारे में, ये सही समय आने पर ही बताऊंगा। ये एक ऐसी फिल्म है जो मुझे जितना एक्साइटमेंट देती है उतना ही डराती भी है। इस फिल्म के साथ मैं और सीखूंगा और आगे बढ़ूंगा।

अयान ने आगे लिखा- इस वजह से मैंने ये फिल्म चुनी है। मैंने इस बार खुद को यूनिवर्स से मिल रही हर पॉजिटिव एनर्जी को अपनाने का मौका दिया है ताकि मैं इस फिल्म को अपना बेस्ट दे सकूं। साथ ही इंडियन सिनेमा, जो मेरे लिए सबसे ज्यादा मायने रखता है उसमें अपना कॉन्ट्रिब्यूशन दे सकूं।

'ब्रह्मास्त्र 2 : देव' में नजर आएंगी दीपिका

'ब्रह्मास्त्र 2 : देव' में देव और माया के किरदार पर फोकस रहेगा। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण माया का किरदार निभाएंगी। 'ब्रह्मास्त्र' की ओटीटी रिलीज में फैंस ने दीपिका पादुकोण को रणबीर कपूर की मां के रोल में 'जलास्त्र' के किरदार में देख लिया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स अंदाजा लगा रहे हैं कि इस फिल्म में रणबीर कपूर का डबल रोल भी देखने को मिल सकता है।

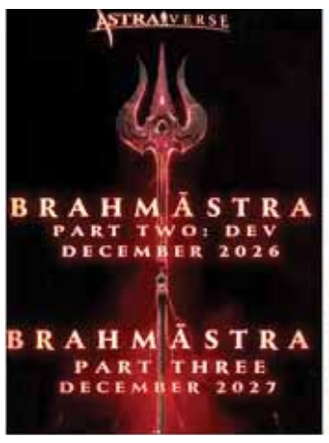

सैफ अली खान को पसंद है फटी शर्ट-पुराने कपड़े: छोटे नवाब के स्टाइलिंग सेंस पर पत्नी करीना बोलीं- वो 5 साल तक एक पैंट चला सकते हैं

करीना कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उनके पति सैफ अली खान का ड्रेसिंग सेंस काफी कैजुअल है। वो पांच साल तक एक ही ट्रैक पैंट पहन सकते हैं और जब तक करीना उन्हें याद नहीं दिलाती, तब तक वो नए कपड़े नहीं खरीदना चाहते हैं। इतना ही नहीं करीना ने बताया कि कभी-कभी सैफ ऐसी टी शर्ट भी पहन लेते हैं जिनमें छेद होते हैं। इसके बावजूद करीना मानती हैं कि सैफ का स्टाइलिंग सेंस बेहद यूनीक है।

दिए इंटरव्यू में करीना कपूर खान ने कहा- सैफ अपने लिए तब तक नया पैंट नहीं खरीदते हैं, जब तक मैं उन्हें उन्हें याद नहीं दिलाती। वो एक ट्रैक पैंट आसानी से 5 साल तक चला सकते हैं। कभी-कभी तो वो ऐसी टी-शर्ट पहन लेते हैं, जिसमें 5 छेद हों। जब मैं उन्हें इसके लिए टोकती हूं तो वो कहते हैं- इसमें क्या खराबी है, ये बिल्कुल सही है।

करीना आगे बताती हैं कि सैफ काफी स्टाइलिश हैं, इसलिए उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है।'

सैफ को कोई स्टाइलिस्ट तैयार नहीं कर सकता

इससे पहले एक इंटरव्यू के दौरान करीना ने कहा था कि सैफ को कोई स्टाइलिस्ट तैयार नहीं कर सकता है। वो हमेशा खुद के अंदाज में ही तैयार होते हैं। स्टाइलिस्ट जैसा कहते हैं वो उसका उल्टा करते हैं। हालांकि, करीना का मानना है कि सैफ का टेस्ट काफी अलग है। चाहे वो कपड़ों की हो किताबों की या फिर खाने की। सैफ का टेस्ट बिल्कुल खास है। मुझे नहीं लगता कि उनके जैसा कोई भी स्टाइल हो सकता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही रिया कपूर और एकता कपूर की फिल्म द क्रू में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ कृति सेनन और तब्बू को कास्ट किया गया है। इसके अलावा करीना को हंसल मेहता की अगली फिल्म में कास्ट किया है।

सॉन्ग लॉन्च में पहुंचे गुरु रंधावा- मलाइका अरोड़ाः ब्राउन ड्रेस में लगीं ग्लैमरस, दोनों के बीच दिखी जोरदार केमिस्ट्री

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा और पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा का सांग 'तेरा की ख्याल' आज रिलीज हुआ है। इसी बीच दोनों एक्टर्स गाने का प्रमोशन करने पहुंचे, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ब्राउन आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने ब्राउन स्कर्ट के साथ मैचिंग टॉप पहना हुआ है, जिसमें वह काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वहीं गुरु ऑल ब्लैक लुक में हैंडसम दिखे। वीडियो में दोनों की केमिस्ट्री कमाल की लग रही है।

पहली बार गुरु रंधावा के साथ में दिखेंगी मलाइका

बता दें, मलाइका अरोड़ा और पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा पहली बार एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ आए हैं। 'तेरा की ख्याल' गाने में मलाइका के जबरदस्त डांस मूव्स देखने को मिले। इस गाने को गुरु ने अपनी आवाज दी है और रॉयल मान के साथ मिलकर इसके लिरिक्स भी लिखे हैं। वहीं, गाने का म्यूजिक संजोय ने तैयार किया है और वीडियो का निर्देशन बोस्को लेस्ली मार्टिस ने किया है।

निक जोनस ने प्रियंका का हाथ थामकर स्टेज से उतारा: केयरिंग नेचर देख फैंस हुए इम्प्रेस, बोले- परफेक्ट हसबैंड

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा 31 मार्च को अपने पति निक जोनस और बेटी के साथ इंडिया आई हैं। कपल हाल ही में नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर के लॉन्चिंग इवेंट में शामिल हुए थे, जिससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में निक, प्रियंका के कपड़े ठीक करते नजर आए।

एनएमएसीसी लॉन्च पर रणवीर सिंह और प्रियंका चोपड़ा ने 'दिल धड़कने दो' के सॉन्ग 'गल्लां गूड़ियां' पर जबरदस्त परफॉर्मेंस देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही गाना खत्म होता है प्रियंका और रणवीर नीचे आते हैं और निक तुरंत अपना हाथ प्रियंका की तरफ बढ़ा देते हैं। जिसके बाद प्रियंका उनका हाथ पकड़कर नीचे उतरती हैं। इतना ही नहीं निक, प्रियंका की ड्रेस भी ठीक करते हुए दिखाई दिए। जिसे देख वहां पर मौजूद लोग काफी इम्प्रेस हुए।

फैंस को निक का ये प्रोटेक्टिव नेचर काफी पसंद आ रहा है। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर उन्हें जेंटलमैन बताया। दूसरे ने लिखा- 'परफेक्ट हसबैंड'। तो वहीं तीसरे ने लिखा, 'प्रियंका चोपड़ा कितनी लकी हैं, उन्हें निक जैसा हसबैंड मिला है'।

बेटी और एक्स बॉयफ्रेंड के साथ सुष्मिता का वर्क आउटः साथ देने के लिए कहा शुक्रिया, बोलीं- जल्द आर्या 3 की शूटिंग शुरू करूंगी

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने 5 अप्रैल को सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो वर्क आउट करती नजर आ रही हैं। सुष्मिता के साथ उनकी बेटी अलीशा और एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल भी वर्क आउट के दौरान उनका साथ दे रहे हैं।

सुष्मिता ने पिछले महीने पोस्ट शेयर करते हुए हार्ट अटैक की जानकारी दी थी, वहीं एंजियोप्लास्टी के बाद कार्डियोलॉजिस्ट की मंजूरी से सुष्मिता ने बीते दिनों दोबारा वर्क आउट करना शुरू कर दिया है। लेटेस्ट पोस्ट में सुष्मिता ने बताया है कि 36 दिन बाद उन्हें और ज्यादा वर्कआउट करने की परमिशन मिल गई है और वो जल्द ही आर्या 3 की शूटिंग शुरू करने वाली हैं।

सुष्मिता ने अपनी बेटी अलीशा और एक्स बॉयफ्रेंड रोहमन शॉल को उनका हौसला बढ़ाने के लिए शुक्रिया कहा है।

योगा वीडियो शेयर करते हुए सुष्मिता ने लिखा- 36 दिन बीत चुके हैं। मुझे और ज्यादा ट्रेनिंग की परमिशन मिल गई है। मैं जल्द ही जयपुर में आर्या की शूटिंग के लिए निकल रही हूं।'

सुष्मिता ने आगे लिखा- 'ये लोग मेरे बेहद करीब हैं, जो मेरा साथ दे रहे हैं और मुझे अपने जोन में वापस लाने में ये मेरी मदद कर रहे हैं। अलीशा और रोहमन, मैं तुम लोगों से बहुत प्यार करती हूं।'

कार्डियोलॉजिस्ट की मंजूरी से शुरू किया वर्क आउट

इससे पहले सुष्मिता सेन ने 7 मार्च को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की थी जिसमें वो स्ट्रेचिंग करती नजर आई थी। होली की शुभकामनाएं देते हुए सुष्मिता ने बताया था कि उनके वर्कआउट को कार्डियोलॉजिस्ट ने अप्रूव कर दिया है।

लॉफिंग ज़ोन

एक सीधा-सादा देहाती पहली बार दिल्ली देखने गया। वहां वह एक होटल में ठहरा। उसने होटल के मैनेजर से पूछा, ''जवाब यहां खाना खाने का क्या समय है?''

मैनेजर, ''सुबह ब्रेकफास्ट का समय 7 से 11 बजे तक, दोपहर को लंच का समय 12 से 4 बजे तक और रात के डिनर का समय शाम 6 से रात 10 बजे तक।''

देहातीबोला, ''बाप रे। अगर इतना समय खाने में ही लगऊंगा, तो फिर दिल्ली की सैर किस समय करूंगा?''

□ □ □

एक शौकीन मिजाज अमीर स्त्री ने चौथी शादी की। किसी ने पूछा तो वह कहने लगी, ''मैंने अपने नए पति को अपने प्रेमियों के बारे में सब कुछ बता दिया। उनके नाम तक बता दिए हैं।''

पार्टी में शमिल किसी ने कहा, क्या हिम्मत है। ''दूसरा बोला, क्या ईमानदारी है। तीसरा बोला, और क्या याददाश्त है।''

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था। फार्म में एक प्रश्न था, ''क्या आप विवाहित हैं? अविवाहित हैं या तलाकशुदा?''

अभिनेत्री ने जवाब लिखा, तीनों।''

□ □ □

स...स...सन्नाटेदार

शब्दजाल - 5164

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	आँ	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	ड्रॉ	र	रू
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	बो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	टा	जी	म्हा	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

शब्दजाल - 5163 का हल

ए	म	मा	ड्रॉ.	न	गे	न्द्र	सिं	ह	क	वि
हो	न	सू	ह	म	ल	जी	स	ल	न	ज
सु	वी	गो	द	अ	नो	त	र	थ	ल	थी.
कु	र	दा	पा	ल	क	ह	ना	ह	व	ए
मा	जे.	न	ष	ल	म	मी	र	स्म	सी	स.
र	मी	ए	स	जि	स्वा	क	प	सिं	गु	कृ
से	ह	बु	म.	ठी	म	मी	टे	बी.	ह	ष्ण
न	पू	सु	पा	लिं	एं.	सौ	ल	बी.	ना	मू
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	टं	न	र्ति
आ	र.	के.	त्रि	वे	दी	दो	ह	ड	क	थ
थी.	ए	न	शे	ष	न	इ	ह	न	ह	धी

मंगल सैंणचा, बेंगलोर.

सूडोकु नवताल- 5164

★★★★☆ मध्यम

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5163 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

काकुरो पहेली - 5164

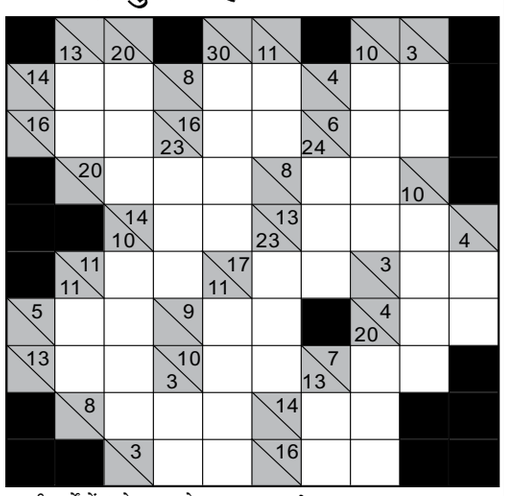

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

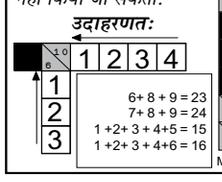

6+ 8 + 9 = 23
7+ 8 + 9 = 24
1 +2+ 3 + 4+5 = 15
1 +2+ 3 + 4+6 = 16

काकुरो - 5163 का हल

MANGAL SENCHA, P.B.NO.3909, BANGALORE-39

फिल्म वर्ग पहेली- 5164

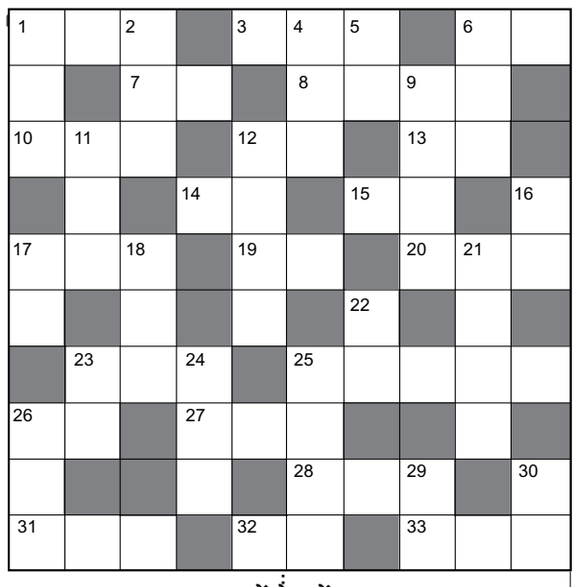

ऊपर से नीचेः-

1. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-3
2. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
4. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
5. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
6. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
9. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-4
11. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-4
16. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-2
17. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-2
18. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-3
21. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-4
22. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-2
23. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-2
24. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-3
25. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-2,2
26. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-3
29. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-2
30. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2

बायें से दायेंः-

1. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-3
3. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-2
7. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
8. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-4
10. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-3
12. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-2
13. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
14. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
15. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-2
17. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
19. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-2
20. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-3
23. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-3
25. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-2,1,2
26. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-2
27. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-3
28. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-3
31. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
32. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
33. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 5163 का हल

चा	ल	बा	ज		चा	ला	क		जा
ह		रि		आ	ह		र्ज		ल
त	ला	श		र	त	न		प्या	सा
	वा		रा	जू		ज	ख्म		ज
रा		तु	म		जो	र		ना	
म	स्ती		क	ह	र		अ	स्ति	त्व
अ		जीं	स		दा	वा		क	
व	क्त		म	द	र		दा		अं
ता		हे		र्द		फि	दा		जा
र	ह	मा	न		रो	जा		धू	म

मंगल सैंणचा, बेंगलोर

अष्टयोग- 5164

	6		4		3	
2	28		33	7	35	
		5	6		7	
5	28	3	38	6	34	1
	2		3	5		
	31	2	31		30	6
	1		4		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5163 का हल

3	2	5	6	4	7	1
4	33	4	40	7	31	2
7	2	6	3	5	1	4
1	29	3	37	6	35	5
2	1	7	4	3	5	6
6	30	2	24	1	30	3
5	6	1	4	2	3	7

शब्द पहेली - 5164

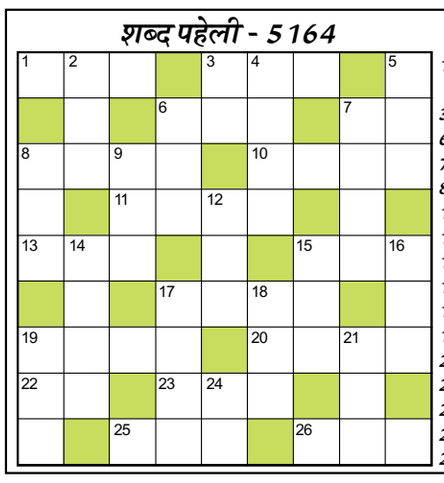

बाएँ से दाएँ

1. स्त्री, एक हिंदी मलयालम पत्रिका-3
3. मुसलमान पढ़ते है-3
6. एक गुणकारी फल-3
7. अभिनय-2
8. पौशाक-4
10. पैसे वाला-4
11. पृथ्वी की सतह-4
13. तीन गुणा-3
15. बूंद-3
17. व्यायाम-4
19. सगा होने का भाव-4
20. मैला, काला-4
22. ईसाई साधवी-2
23. छोटा आरा-3
25. रचना करना-3
26. नाश, गिरना-3

ऊपर से नीचे

2. दृष्टि-3
3. नया, नौ-2
4. मालदार-4
5. आक-3
6. बेकार घूमने वाला-3
7. न्यायालय-4
8. रिवाज-3
9. गूथना-3
12. दया-3
14. बखान-4
15. एक पकवान-3
16. राजा-3
17. हल्की-सी चोट से भी टूट जाने वाला-4
18. आनंदशील महिला-3
19. माशूक-3
21. मन की इच्छा-3
24. आंसू बहाना-2

शब्द पहेली -5163 का हल

ल	ग	भ	ग			वि		क
ठा		ग		वि	रो	धा	भा	स
	म	त	वा	ला		न	व	म
		सिं		स	दा		क	
बा	ल	ह	ट		ब	र	ता	व
	गा		न	र		वा		
क	व	च		प	ह	ना	ना	
लू	ट	ख	सो	ट		हो		की
टा		ना			ब	ना	व	ट

मंगल सैंणचा, बेंगलोर